संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, सोमवार, 05 जून 2023 | ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्षः 14 अंकः 152 पृष्ठः 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

ओडिशा रेल हादसे की सीबीआई जांच होगी

'ट्रेन की ओवरस्पीड हादसे की वजह नहीं', केवल एक ट्रेन का एक्सीडेंट हुआ, रेलवे ने समझाई हादसे की क्रोनोलॉजी

सीबीआई जांच होगी...

= रविवार सुबह एक्सीडेंट साइट का जायजा लेने के बाद रेल मंत्री ने कहा था- इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में बदलाव की वजह से एक्सीडेंट हुआ

टीम एक्शन इंडिया/बालासोर

2 जून की शाम को ओडिशा के बालासोर में ट्रेन हादसा कैसे हुआ? इस सवाल का जवाब रेलवे बोर्ड ने डिटेल में दिया। बोर्ड ने बताया कि तीन ट्रेनें नहीं बल्कि सिर्फ एक ट्रेन कोरोमंडल एक्सप्रेस हादसे का शिकार हुई है। कोरोमंडल एक्सप्रेस ट्रैक पर खड़ी मालगाड़ी से टकराई, फिर बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट कोरोमंडल की बोगियों में भिड़ गई। जहां हादसा हुआ, उस लाइन में रफ्तार की सीमा 130 किमी प्रति घंटा है और दोनों ट्रेनें तय स्पीड में ही चल रही थीं। हादसा सिग्नलिंग में आई परेशानी के कारण हुआ है। हादसे में 275 लोगों की मौत हुई है और 1000 से ज्यादा लोग घायल हैं।

कैसे हुआ हादसा: 2 जून की शाम शालीमार-चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस चेन्नई से हावड़ा जा रही थी। वहीं, बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस हावड़ा से आ रही थी। कोरोमंडल एक्सप्रेस को लूप लाइन पर ग्रीन सिग्नल मिला, जिस पर मालगाड़ी खड़ी थी। इसके बाद कोरोमंडल एक्सप्रेस मालगाड़ी से टकरा गई। मालगाड़ी में लोहा लदा था, इसीलिए वह हादसे का धक्का झेल गई।

उधर, मालगाड़ी से टकराने के बाद कोरोमंडल एक्सप्रेस के कुछ डिब्बे तीसरे ट्रैक पर जा गिरे। इसके बाद उसी ट्रैक पर आ रही बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस कोरोमंडर की बोगियों से टकरा गई। इस लाइन पर ट्रेनों की रफ्तार की सीमा 130 किमी प्रति घंटा है, इसलिए दोनों में से कोई भी ट्रेन ओवरस्पीडिंग में नहीं थी। कोरोमंडल एक्सप्रेस को हरी झंडी मिली थी। ग्रीन सिग्नल का मतलब ड्राइवर (लोको पायलट) को बताना होता है कि आगे का रास्ता साफ है और वह अपनी अनुमत अधिकतम गति के साथ आगे जा सकता है।

देश में 13,215 रेल इंजन, सिर्फ 65 में कवच सिस्टम

टीम एक्शन इंडिया/भुवनेश्वर

ओडिशा के बालासोर में 2 जून की शाम हुए रेल हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 288 हो गई है, 900 से ज्यादा लोग घायल हैं। हादसे की शिकार हुई दोनों ट्रेनों में कवच सुविधा (ऑटोमैटिक ब्रेकिंग सिस्टम) नहीं था। कवच सिस्टम होता तो बालासोर हादसे को रोका जा सकता था।

हादसे की पहली सूचना एनडीआरएफ जवान ने दी

टीम एक्शन इंडिया/बालासोर

ओडिशा ट्रेन हादसे की खबर सबसे पहले एनडीआरएफ के जवान ने अपने कंट्रोल रूम भेजी। ये जवान कोरोमंडल एक्सप्रेस में सवार था और छुट्टी पर अपने घर जा रहा था। उसने कंट्रोल रूम में घटनास्थल की लाइव लोकेशन भेजी। एनडीआरएफ जवान की भेजी वॉट्सऐप लाइव लोकेशन की वजह से पहली रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंची। एनडीआरएफ जवान वेंकटेश (39) कोरोमंडल एक्सप्रेस से छुट्टियों पर अपने घर जा रहे थे। रेस्क्यू टीम के पहुंचने तक वो मोबाइल टॉर्च की मदद से घायलों को बाहर निकालते रहे। 2 जून की शाम 7 बजे बालासोर के पास 3 ट्रेन टकरा गई थीं। वेंकटेश 2021 में ही सीमा सुरक्षा बल बीएसएफ से एनडीआरएफ में शामिल हुए हैं।

ओडिशा ट्रेन एक्सीडेंट में 288 नहीं, 275 मौतें

टीम एक्शन इंडिया/भुवनेश्वर/बालासोर

ओडिशा में बालासोर ट्रेन हादसे के दो दिन बाद ओडिशा सरकार ने दावा किया है कि हादसे में 288 नहीं, बल्कि 275 लोगों की जान गई है। राज्य के चीफ सेक्रेटरी प्रदीप जेना ने रविवार को कहा कि कुछ शव दो बार गिन लिए गए थे, इस वजह से मृतकों की संख्या में गड़बड़ी हुई।

'सिग्नलिंग में आई परेशानी हादसे की वजह'

बोर्ड ने बताया कि अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक सिग्नलिंग में आई परेशानी के कारण हुआ है। इस मामले पर अभी ज्यादा कुछ कहना जल्दबाजी होगी। जांच के बाद ही डिटेल सामने आएगी, उसके बाद ही दावे के साथ कुछ कहा जा सकेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी कहा था कि इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में बदलाव की वजह से एक्सीडेंट हुआ।

'सिग्नल फेल होने की दो वजह हो सकती हैं'

रेलवे बोर्ड के प्रिंसिपल एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर संदीप माथुर ने बताया कि लूप लाइन पर ट्रेन को ले जाने के लिए एक प्वाइंट होता है। उसे ऑपरेट करना होता है, जिससे यह तय किया जाता है कि ट्रेन सीधी जाएगी या लूप लाइन पर जाएगी। वहीं, सिग्नल इस तरीके से इंटरलॉक होते है कि जिससे पता चल जाए कि आगे की लाइन बिजी नहीं है और ट्रेन लूप लाइन पर जा रही है। ट्रेन को सुरक्षित तरीके से ट्रैक पर ले जाने के लिए यह बेहद अहम होता है। सिग्नलिंग की दिक्कत तब आती है, जब कोई रेलवे की बिना जानकारी के ट्रैक पर कोई काम करता है। इससे कई बार केबल कट जाने से सिग्नल फेल होने की संभावना रहती है। वहीं, दूसरा कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है।

केंद्रीय मंत्री रेल हादसे में घायल लोगों का हालचाल जानते हुए।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव बालासोर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए।

सुरजेवाला को यूपी की कोर्ट से झटका

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़

कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला को उत्तर प्रदेश (यूपी) की कोर्ट से झटका लगा है। यूपी के बनारस की स्पेशल (एमपी-एमएलए) कोर्ट ने 23 साल पुराने एक मामले में गैर जमानती वारंट जारी किया है। इस मामले में अगली सुनवाई अब 9 जून को की जाएगी। कोर्ट ने इस मामले में सख्त टिप्पणी करते हुए कहा है कि हाईकोर्ट के आदेश पर आरोपी को न्याय हित में पहले ही लास्ट चांस दिया जा चुका है। मामला साल 2000 का है। सुरजेवाला उस समय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। उन पर वाराणसी में संवासिनी कांड में कांग्रेस नेताओं के ऊपर लगे कथित झूठे आरोप के विरोध में हंगामा करने के लिए मामला दर्ज किया गया था।

दाउद के नाम पर धमकाया जा रहा: समीर वानखेड़े

टीम एक्शन इंडिया/मुंबई

एनसीबी के पूर्व जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े का कहना है उनको और परिवार को अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के नाम से जान से मारने की धमकी दी जा रही है। वानखेड़े ने मुंबई पुलिस को बताया कि उन्हें फर्जी ट्विटर अकाउंट से धमकियां मिल रही हैं। जिसके बाद वानखेड़े ने मुंबई पुलिस के सीनियर **अधिकारियों को इसकी सूचना दी।**

रिश्वत केस में फंसे समीर वानखेड़े: वानखेड़े इस समय रिश्वत की मांग को लेकर आरोपों से घिरे हैं। उनके खिलाफ सीबीआई ने एक एफआईआर दर्ज की है। जांच एजेंसी का कहना है समीन ने कॉर्डेलिया क्रूज ड्रग्स केस में शाहरुख खान के बेटे आर्यन को छोड़ने के बदले 25 करोड़ रुपए की मांग की थी। सीबीआई ने इस मामले में वानखेड़े समेत 5 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

बिहार में गंगा नदी पर बन रहा पुल गिरा

खगड़िया: बिहार के खगड़िया के अगुवानी-सुल्तानगंज के बीच गंगा नदी पर बन रहा पुल रविवार को गिर गया। पुल के चार पिलर भी नदी में समा गए। पुल का करीब 192 मीटर हिस्सा नदी में गिरा है। हादसा शाम के समय हुआ, इसलिए कोई मजदूर वहां काम पर नहीं था। हालांकि इतना बड़ा स्ट्रक्चर गिरने से गंगा नदी में कई फीट ऊंची लहरें उठीं। इससे नदी में नाव पर बैठे लोग सहम गए।

पुल का कुछ हिस्सा पिछले साल भी गिर चुका है। इसे एसपी सिंगला कंपनी बना रही है। पुल का शिलान्यास 2014 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया था। पुल का निर्माण 2015 से चल रहा है। इसकी लागत 1710.77 करोड़ रुपए है।

चारधाम तीर्थयात्रियों की संख्या 20 लाख के पार

देहरादून: उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के तीर्थयात्रियों की संख्या 20 लाख के आंकड़े को पार कर गई है। इतना ही नहीं 4 जून तक 40 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। उत्तराखंड सरकार के मुताबिक अब तक सबसे ज्यादा 7.13 लाख तीर्थयात्री बाबा केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए 15 जून तक केदारनाथ धाम यात्रा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन बंद किए गए हैं। उत्तराखंड के चार धामों बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री की यात्रा 22 अप्रैल से शुरू हुई है। पर्यटन विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक मौसम साफ होने पर रोजाना 60 हजार से अधिक तीर्थयात्री केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन कर रहे हैं।

गृह मंत्री अमित शाह से मिले पहलवान बजरंग, साक्षी-विनेश

टीम एक्शन इंडिया/रोहतक

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग कर रहे रेसलर्स विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुलाकात की है। यह मुलाकात शनिवार देर रात करीब 11 बजे हुई है। करीब 2 घंटे तक अमित शाह के निवास मीटिंग चली। यह मुलाकात खाप पंचायतों की तरफ से केंद्र को 9 जून तक का अल्टीमेटम देने के बाद हुई।

एक महिला रेसलर की मां ने इस मीटिंग की पुष्टि करते हुए कहा कि अमित शाह ने पहलवानों को बिना भेदभाव के पूरी जांच का भरोसा दिया है। यही वजह रही कि रविवार को सोनीपत के गांव मुंडलाना में सर्व समाज की महापंचायत में बजरंग पूनिया ने कोई बड़ा फैसला लेने से रोक दिया।

ऑफिस में महिला से बोला-मैडम क्या फिगर है, मामला दर्ज

टीम एक्शन इंडिया/मुंबई

मुंबई की सेशन कोर्ट ने रियल स्टेट कंपनी में काम करने वाले दो कर्मचारियों को जमानत देने से मना कर दिया। इन पर ऑफिस में एक महिला कलीग के फिगर पर कमेंट करने का आरोप है। कोर्ट ने कहा, ऑफिस में किसी महिला कलीग से कहना कि, उसका फिगर अच्छा है और उसने खुद को काफी मेंटेन कर रखा है। यह सेक्शुल हैरेसमेंट की कैटेगरी में आता है। सेशन कोर्ट के जज खान ने पिछले हफ्ते दो ऑर्डर दिए थे।

छोटे कपड़े पहनकर मंदिर नहीं जा सकेंगी लड़कियां

टीम एक्शन इंडिया/ऋषिकेश

उत्तराखंड के तीन मंदिरों में महिलाओं और लड़कियों के लिए ड्रैस कोड लागू किया गया है। हरिद्वार के दक्ष प्रजापित मंदिर, पौड़ी के नीलकंठ महादेव मंदिर और देहरादून के टपकेश्वर महादेव मंदिर में लड़कियां छोटे कपड़े पहनकर दर्शन के लिए नहीं जा सकेंगी। इन तीनों मंदिरों को मैनेज करने वाले महानिवार्णी अखाड़े ने यह आदेश जारी किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्कर्ट या शॉर्ट्स पहनने पर मंदिर में एंट्री नहीं मिलेगी। जिन महिलाओं के शरीर का 80% से ज्यादा हिस्सा ढका हुआ होगा, वे ही मंदिर में जा पाएंगी। अखाड़े के सेक्रेटरी, महंत रविंदर पुरी ने कहा कि श्रद्धालुओं को मंदिरों में देश के पारंपरिक कपड़े पहन कर जाना चाहिए। मंदिरों की पवित्रता बनाए रखने के लिए पहले लोगों से अपील की गई थी।

अमृतसर में निहंगों व पुलिस में झड़प

टीम एक्शन इंडिया/अमृतसर

पंजाब के अमृतसर में निहंगों व पुलिस के बीच देर रात झड़प हो गई। मामला बढ़ता देख अतिरिक्त पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची तो निहंग गाड़ियों में बैठ फरार हो गए। पुलिस ने एक निहंग पंडोरी वडैच निवासी तेजबीर सिंह की पहचान कर तकरीबन 20 अज्ञात युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वहीं, बटाला में भी चलान काटने को लेकर निहंग पुलिस के साथ उलझ गए। डीसीपी परमिंदर सिंह भंडाल ने बताया कि घटना सुल्तानविंड रोड की है। यहां रात को पुलिस की तरफ से चेकिंग की जा रही थी। तभी आरोपी तेजबीर सिंह निहंग बाने में वहां पहुंचा। 3-4 गाड़ियों में दो दर्जन के करीब निहंग भी साथ थे।

पुलिस के बैकअप आते ही भाग गए: पुलिस के रोकते ही आरोपी व अन्य निहंगों ने पुलिस से झगड़ा करना शुरू कर दिया। इसी बीच पुलिस ने बैकअप टीम को वहां बुला लिया। जैसे ही पुलिस टीमें पहुंची, आरोपी निहंग वहां से गाड़ियों में बैठ भाग गए, लेकिन पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करके कार्रवाई को शुरू कर दिया है। गुरदासपुर के बटाला में गांधी चौक पर भी निहंगों व पुलिस के बीच विवाद पैदा हो गया। यहां भी ब्लू स्टार ऑपरेशन के चलते सख्ती को बढ़ाया गया था। वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी बीच दो निहंग मोटरसाइकिल पर पहुंचे। पुलिस ने जब डॉक्यूमेंट मांगे तो निहंगों के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था।

फिक्स डोज कॉम्बिनेशन की 14 दवाओं की बिक्री बैन

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने 14 फिक्स डोज कॉम्बिनेशन दवाओं की बिक्री पर रोक लगा दी है। सरकार ने जिन दवाओं पर प्रतिबंध लगाया है उनमें पैरासिटामोल डिस्पर्सिबल टेबलेट, निमेसुलाइड, क्लोरफेनिरामाइन मेलेट सहित कुल 14 दवाएं शामिल हैं। हेल्थ मिनिस्ट्री ने कहा है कि इन सभी दवाओं के कारण होने वाले नुकसान का पता नहीं लग पाता है और लोगों के लिए ये सभी रिस्क पैदा कर सकती हैं।

समिति की सिफारिशों के बाद केंद्र ने उठाया कदम: हेल्थ मिनिस्ट्री ने एक नोटिफिकेशन में कहा कि जिन दवाओं को बैन किया गया है उनमें सामान्य इनफेक्शन, खांसी और बुखार के इलाज के लिए उपयोग की जाने वाली दवाएं शामिल हैं। मालूम हो कि केंद्र ने यह कदम विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के बाद उठाया है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि इस फिक्स डोज कॉम्बिनेशन दवाओं का कोई भी चिकित्सीय औचित्य नहीं है और सभी दवाएं मानव के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं। विशेषज्ञ समिति ने कहा कि इन सभी दवाओं की बिक्री और डिस्ट्रीब्यूशन पर रोक लगाना जरूरी है। नोटिफिकेशन में कहा कि विशेषज्ञ समिति और औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड ने सिफारिश की थी कि देश में इन सभी दवाओं के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया जाए।

फिक्स डोज कॉम्बिनेशन वे दवाएं होती हैं, जिन्हें दो या दो से अधिक दवाओं को मिलाकर बनाया जाता है।

साधा निशाना | हमने ना सिर्फ भाजपा को हराया बल्कि उसे धूल में मिला दिया: राहुल गांधी

देश के लोग भाजपा की नफरत भरी विचारधारा को हराएंगे: राहुल गांधी

टीम एक्शन इंडिया/न्यूयॉर्क

राहुल गांधी अपने अमेरिका दौरे पर लगातार केंद्र की भाजपा सरकार को निशाने पर ले रहे हैं। अब अपने ताजा बयान में राहुल गांधी ने कहा कि कर्नाटक में जिस तरह से कांग्रेस पार्टी ने भाजपा को धूल चटाई है, उसी तरह से तेलंगाना और अन्य राज्यों में भी कांग्रेस, भाजपा को हराएगी। राहुल गांधी ने कहा कि ना सिर्फ कांग्रेस पार्टी बल्कि देश के लोग भाजपा की नफरत भरी विचारधारा को हराएंगे।

'तेलंगाना में भाजपा को धूल चटा देंगे': वॉशिंगटन और सैन फ्रांसिस्को के बाद राहुल गांधी न्यूयॉर्क पहुंचे। जहां शनिवार को इंडियन ओवरसीज कांग्रेस-यूएसए द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा कि 'हमने कर्नाटक में यह करके दिखाया है कि हम भाजपा को हरा सकते हैं। हमने ना सिर्फ भाजपा को हराया बल्कि उसे धूल में मिला दिया।' राहुल गांधी ने कहा कि 'कर्नाटक चुनाव में भाजपा ने सारे उपाय किए। उनके पास मीडिया था, हमारे मुकाबले 10 गुना ज्यादा पैसे थे, एजेंसियां थी लेकिन उसके बावजूद हमने उन्हें हरा दिया। मैं बताना चाहता हूं कि अब तेलंगाना के चुनाव में भी हम उन्हें हराएंगे।' राहुल गांधी रविवार को ही मैनहेट्टन में एक रैली भी करेंगे।

धूल चटाई

= कर्नाटक में जिस तरह से कांग्रेस ने भाजपा को धूल चटाई है, उसी तरह से अन्य राज्यों में भी भाजपा को हराएगी

न्यूयॉर्क के कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव के बाद तेलंगाना में भाजपा को ढूंढना मुश्किल हो जाएगा। इस कार्यक्रम में भारतीय मूल के समुदाय के अलावा न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स भी मौजूद थे। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि ना सिर्फ तेलंगाना में बल्कि राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में भी हम कर्नाटक जैसा प्रदर्शन करेंगे। बता दें कि इस साल के अंत में भारत में कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले होने वाले ये विधानसभा चुनाव काफी अहम माने जा रहे

पंजाब में अब सताएगी गर्मी

टीम एक्शन इंडिया/अमृतसर: पूरे साल में सबसे अधिक गर्म नौतपा के दिन खत्म हो गए। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते इस बार नौतपा पंजाब को तपा नहीं सका, लेकिन अब पंजाब में वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर कम होता दिख रहा है। बीते दिनों पंजाब के अधिकतर शहरों का तापमान 35 डिग्री के करीब दर्ज किया गया। आने वाले 7 दिनों में यह तापमान 45 डिग्री को क्रॉस कर जाएगा। मौसम विभाग की तरफ से जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटों में पंजाब में कहीं भी बारिश रिपोर्ट नहीं की गई है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के दिल्ली की तरफ बढ़ जाने के बाद अब पंजाब में गर्मी बढ़ने लगी है। अगले गुरुवार तक पंजाब में तापमान 40 डिग्री के पार हो जाएगा। इतना ही नहीं, अगले रविवार तक कई शहरों का तापमान 45 डिग्री से अधिक दर्ज किया जाएगा। एक सप्ताह में इतना अधिक तापमान में बदलाव सेहत पर असर डाल सकता है।

श्री विद्यासागर स्वाध्याय भवन का शिलान्यास किया

राजीव जैन ने कहा कि जैन धर्म के सिद्धांतों के प्रचार प्रसार में भवन की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी।

8 शांतिधारा के बाद हवन यज्ञ किया और सभी श्रद्धालुओं से शिलान्यास में स्वर्ण, रजत शिलायें रखवाई और पंडाल धर्म के जयकारों से गूंज उठा

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत
पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के साथ लगती जमीन में मुनि श्री विद्यासागर स्वाध्याय भवन का शिलान्यास बड़ी धूमधाम एवं पूजा पद्धति से किया गया। पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ0 कविता जैन एवं मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने मुख्यातिथि के तौर पर प्रथम मंत्रोच्चारण के बीच स्वर्ण शिला रखी। बाल ब्रह्मचारी नितिन कुमार ने सुबह शांतिधारा के बाद हवन यज्ञ किया और सभी श्रद्धालुओं से शिलान्यास में स्वर्ण, रजत शिलायें रखवाई और पंडाल धर्म के जयकारों से गूंज उठा। डॉ0 कविता जैन ने सकल जैन समाज को बधाई देते हुए कहा कि 25 वर्षों से लम्बित भवन का निर्माण कार्य शुरू हुआ है और इससे धार्मिक आयोजनों एवं मुनि महाराज के निवास के लिए सुव्यवस्थित स्थान उपलब्ध होगा।

राजीव जैन ने कहा कि जैन धर्म के सिद्धांतों के प्रचार प्रसार में भवन की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने बताया कि 30 वर्ष पूर्व तत्कालीन मुख्यमंत्री स्वर्गीय बनारसी दास गुप्ता ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की 600 गज जमीन देने की घोषणा की थी, इस जमीन के रेट का झगड़ा कई वर्षों तक चलता रहा परन्तु कोई फैसला नहीं हो पाया। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार ने इस काम को सिरे चढ़ाया और जमीन की कीमत 18 लाख मंत्री कोटे से जमा करवा दी थी। जैन समाज ने कविता-राजीव जैन का माल्यार्पण एवं मुकुट पहनाकर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में एस.के. जैन एडवोकेट, राजेश जैन, अतुल जैन, मनीष जैन, पीयूष जैन, सुशील जैन एडवोकेट, पवन जैन, अंकुश जैन, दिनेश जैन एवं अन्य भक्तगण उपस्थित रहे।

रूडेनाथ महाराज की जयंती पर किया भंडारा

टीम एक्शन इंडिया/राई
औद्योगिक क्षेत्र में रविवार को ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर एवं श्री श्री 1008 श्री रूडेनाथ महाराज की जयंती पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं नगर निगम वार्ड-8 से पार्षद पुनीत त्यागी की तरफ से हवन यज्ञ के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें नगर निगम के सभी पार्षदों के अतिरिक्त अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने पहुंचकर हवन यज्ञ में आहुति दी। हवन यज्ञ के दौरन निगम पार्षद पुनीत त्यागी ने बताया कि श्री श्री 1008 रूडेनाथ जी महाराज सत्य के मार्ग पर चलने वाले थे। उन्होंने अपने जीवन काल में सच्चाई के मार्ग पर चलने के लिए लोगों को प्रेरित किया और जब-जब विपदा लोगों पर आई तो उन्होंने अपने तप के पराक्रम से उसे दूर करने का काम किया। ज्येष्ठ पूर्णिमा पर उनकी जयंती मनाई जाती है। उनकी जयंती के उपलक्ष्य में उनकी तरफ से यह 12वां भंडारा लगाया गया है। इसमें हर किसी का सहयोग है।

इस अवसर पर नगर निगम के सभी पार्षदों के साथ राकेश कौशिक, राजकुवार कौशिक, महावीर त्यागी, धर्मबीर त्यागी, अमरीश त्यागी, प्रतीक व सौरव आदि मौजूद थे।

35 ग्राम 20 मिलिग्राम हैरोइन सहित आरोपी गिरफ्तार

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार) पुलिस अधीक्षक अम्बाला जशनदीप सिहँ रंधावा के निदेर्शानुसार अम्बाला पुलिस द्वारा नशा तस्करी को रोकने हेतू चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान थाना पड़ाव में दर्ज नशा तस्करी के मामले में 02 जून 2023 को सी.आई.ए.-शहजादपुर के पुलिस दल ने उप-निरीक्षक बलकार सिहँ के नेतृत्व में सूचना के आधार पर तुरन्त कार्यवाही करते हुए आरोपी चेतन दास निवासी गावँ बरौली थाना नारायणगढ जिला अम्बाला को 35 ग्राम 20 मिलीग्राम हैरोइन सहित गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार 02 दिन का रिमाण्ड प्राप्त किया।

02 जून 2023 को सी.आई.ए.-शहजादपुर के पुलिस दल को गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि आरोपी होण्डा सिटी कार में ग्राहकों को हैरोइन बेचने का कार्य करता है जो आज ग्राहकों को हैरोइन बेचने के लिए जाएगा और यदि सही समय पर कार्यवाही की जाए तो उसे हैरोइन सहित काबू किया जा सकता है। सूचना के आधार पर सी.आई.ए.-शहजादपुर के पुलिस दल ने तुरन्त कार्यवाही करते हुए थाना नारायणगढ क्षेत्र बरौली मोड रकबा सैन माजरा के पास नाकाबन्दी की। नाकाबन्दी के दौरान सन्दिग्ध वाहनों की चैकिंग करते समय आरोपी की कार को रूकवाकर विधिपूर्वक तलाशी लेने पर उससे 35 ग्राम 20 मिलीग्राम हैरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान चेतन दास निवासी गावँ बरौली थाना नारायणगढ जिला अम्बाला के रूप में हुई जिसे हैरोइन सहित गिरफ्तार कर थाना नारायणगढ में मामला दर्ज किया।

अपराधिक मामलों में वाछिंत आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान थाना अम्बाला शहर में दर्ज धोखाधड़ी के मामले में दूसरा आरोपी गिरफ्तार पुलिस अधीक्षक अम्बाला श्री जशनदीप सिहँ रंधावा के निदेर्शानुसार अम्बाला पुलिस द्वारा अपराधिक मामलों में वाछिंत आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान थाना अम्बाला शहर में दर्ज धोखाधड़ी के मामले में 02 जून 2023 को पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी धर्म सिहँ निवासी गाँव बारबा जिला कुरूक्षेत्र को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस मामले के सम्बन्ध में शिकायतकर्ता प्रवाचक न्यायालय अम्बाला ने 10 मार्च 2023 को थाना अम्बाला शहर में शिकायत दर्ज करवाई थी।

पदम दहिया ने यूपीएससी में सफलता हासिल करने वाली मानसी को दिया आशीर्वाद

8 मानसी ने यूपीएससी में 178वां स्थान हासिल कर दिखा दिया कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं

टीम एक्शन इंडिया/खरखौदा
संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी)-2022 की परीक्षाओं में सफलता अर्जित करने वाली गांव सेहरी की होनहार बेटी मानसी दहिया के स्वागत में दहिया खाप द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में पहुंचकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक पदम दहिया ने बेटी को आशीर्वाद देते हुए बधाई दी है।
उन्होंने कहा कि मानसी दहिया ने यूपीएससी में 178वां स्थान हासिल कर समाज को दिखा दिया कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं। वे हर क्षेत्र में सफलताओं के झंडे गाड़ रही है और अपना व अपने माता-पिता का नाम रोशन कर रही है।
पूर्व विधायक ने कहा कि मानसी दहिया ने दिखा दिया कि ग्रामीण क्षेत्र युवा प्रतिभा के धनी है और वे हर क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित कर रहे है। उन्होंने कहा कि यदि लक्ष्य तय कर कठिन परिश्रम एवं लग्न से मेहनत करे तो सफलता जरूर कदम चूमती है। जिसका उदाहरण जिला के गांव सेहरी निवासी मानसी दहिया है, जिन्होंने यूपीएससी की परीक्षा में 178वां रैंक हासिल की तथा अन्य युवाओं व बेटियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन गई है। उन्होंने कहा कि सोनीपत जिला खेलों के नाम से जानी जाता है, लेकिन यहां के युवाओं ने खेल के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए गांव सेहरी की बेटी मानसी दहिया ने भी अपने गांव, जिला व प्रदेश का नाम रोशन किया है। इस दौरान पूर्व विधायक दहिया ने मानसी के पिता कर्मबीर दहिया को भी बेटी की इस सफलता पर शुभकामनाएं दी। पूर्व विधायक ने कहा कि यूपीएससी की परीक्षा देश की सबसे बड़ी परीक्षा है और इस परीक्षा में यह उपलब्ध प्राप्त करने से साबित होता है कि मानसी दहिया एक प्रतिभावान बेटी है। उन्होंने कहा कि बेटी के कठिन परिश्रम, उचित मार्गदर्शन व आईएएस बनने की ललक ने उन्हे सफलता के सोपान पर पहुंचा दिया। उन्होंने कहा कि युवा यदि अनुशासन में रहकर पूरी मेहनत एवं लग्न से अपनी सफलता की ओर बढ़े तो निश्चित रूप से उसे कामयाबी मिलती है।

'तीर्थ सत कुंभा धाम की प्राचीनता भव्यता और धार्मिकता बरकरार'

टीम एक्शन इंडिया/गन्नौर
जेष्ठ माह की पूर्णिमा पर सिद्धपीठ तीर्थ सतकुंभा धाम पर भारी मेला लगा हजारों श्रद्धालुओं ने स्नान किया अनंत भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। देश के 68 तीर्थ में शामिल सतकुंभा तीर्थ पौराणिक व ऐतिहासिक है। यहां देश के कौने कौने से श्रद्धालु आते हैं मन्नत मांगते हैं इनकी मन्नतें पूरी होती हैं। मन्नत ग्रूप ऑफ होटल्स के एमडी वीरेंद्र कादियान ने तीर्थ पर माथ टेका । उन्होंने महाराज श्रीमहंत राजेश स्वरुप महाराज का आशीर्वाद लिया।
पीठाधीश्वर राजेश स्वरुप महाराज ने कहा कि रविवार को पूर्णमासी पर सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं का यहां पर आना शुरू हो गया था। भारी मेले का आयोजन आपके सिद्ध पीठ तीर्थ सत कुंभा धाम पर हुआ है श्रद्धालुओं की अपनी श्रद्धा है कि वह सप्त ऋषि यों के तीर्थ स्थल को नमन करते हैं। श्रद्धालुओं के भंडारे की सेवा सोमपाल खेड़ी गुज्जर , राव ईश्वर सिंह, महिपाल पहल, पावेल राठी, राजपाल, विरेंद्र पहल आदि सेवा में शामिल रहे।

सतकुम्भा स्कूल के मेधावी छात्रों का किया सम्मान
सम्मान समारोह सतकुम्भा 12वीं में प्रथम स्थान शालू द्वितीय स्थान हर्ष तृतीय स्थान पर काजल रही। 10वीं क्लास में प्रथम स्थान निशा द्वितीय स्थान खुशी तृतीय स्थान अतुल 12वीं की मेरिट में 25 और 10वीं में मेरिट के 35 विधार्थियों को सम्मानित किया। सिद्ध पीठ तीर्थ सत कुंभा धाम के श्री महंत राजेश स्वरूप जी महाराज ने कहा कि सरस्वती माता विद्या के रूप में जो हमें ज्ञान देती है मां सरस्वती हमेशा सुनने से पढ़ने से समझने से उसकी जो प्रतिष्ठा है हमेशा बढ़ती है।

नाथ संप्रदाय भारत के प्राचीन और योगियों का संप्रदाय है: आंतिल

टीम एक्शन इंडिया/राई
नाथ संप्रदाय भारत के प्राचीन और योगियों का संप्रदाय है। ये हठ योग पर आधारित है। इस संप्रदाय के योगियों के दाहसंस्कार नहीं होते। दीक्षा लेने के लिए इन्हें अपने कान छिदवाने होते हैं। इसे तांत्रिक वज्रयान का सात्विक रूप भी कहा जाता है। समय-समय पर नाथ पंत अपनी कठोर तपस्या करके क्षेत्र को पवित्र और प्रजा पर आई परेशानी को दूर करते हैं। ऐसे ही परेशानी को महान चमत्कारिक श्री श्री 1008 बाबा रामलाल नाथ जी महाराज ने अपने कठोर तप करके दूर किया। उक्त बाते खेवड़ा गांव स्थित बाबा रामलाल नाथ धाम पर पहुंचे आंतिल बाहरा खाप के प्रधान जयभगवान आंतिल ने कही हैं। आंतिल बाहरा खाप के प्रधान जयभगवान आंतिल ने कहा कि ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा पर बाबा रामलाल नाथ धाम पर बड़े स्तर पर कार्यक्रम किया जाता है।

'जिले में रविवार को कोरोना से संक्रमित नहीं मिला कोई पोजिटिव केस'

सोनीपत: उपायुक्त ललित सिवाच ने बताया कि रविवार को जिला में कोरोना से संक्रमित कोई नया पोजिटिव केस नहीं मिला। उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी कोरोना रिपोर्ट के अनुसार बताया कि अब जिला में कोरोना वायरस के पोजिटिव मामलों का कुल आंकड़ा 60371 हो गया है। उपायुक्त ने कहा कि जिला में कोरोना से मरने वाले मरीजों की संख्या 278 हो गई है। अब तक जिला में 60 हजार 085 कोरोना मरीजों को ठीक होने के उपरांत डिस्चार्ज किया गया है। उपायुक्त ने कहा कि जिला में अब कोरोना को कोई भी एक्टिव केस मौजूद नहीं है।

लेन ड्राईविंग के नियमों की उल्लघंना करने पर किया चालान

8 बाँई लेन में ना चलकर नियमों की उल्लघंना करने पर 37 भारी वाहनों के चालान किए। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार)
सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने, वाहनों के सुचारू-रूप से आवागमन हेतू भारी वाहन व गति प्रतिबन्धित (निर्धारित गति सीमा) वाहन के लिए लेन ड्राईविंग (बाँई लेन) निर्धारित करने व बाँई लेन में चलने हेतू वाहन चालकों को जागरूक कर आवश्यक कार्यवाही करने हेतू पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों की गोष्ठी बुलाई गई थी। गोष्ठी में उपस्थित पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देश दिए थे कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यातायात के नियमों की पालना दृढ़ता से करवाई जाए। मोटर वाहन अधिनियम-2017 की धारा 4 के भाग 5 के अन्तर्गत निर्धारित गति सीमा व बाँई लेन में ना चलकर नियमों की उल्लघंना करने पर 03 जून 2023 को 37 भारी वाहनों के चालान किए और अब तक बीते 395 दिनों में 18583 भारी वाहनों के चालान किए जा चुके हैं। पुलिस अधीक्षक अम्बाला ने उप-पुलिस अधीक्षक, यातायात अम्बाला व प्रबन्धक थाना यातायात को निर्देश दिए थे कि आप मोटर वाहन अधिनियम-2017 की धारा 4 के भाग 5 अन्तर्गत सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक भारी वाहन व गति प्रतिबन्धित वाहन अपनी निर्धारित गति सीमा में बाँई लेन में चले जिससे सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और ओवरटेक करते समय किसी भी वाहन चालक को कठिनाई का सामना ना करना पड़े और सड़क हादसों से बचा जा सके। यदि कोई भी वाहन चालक मोटर वाहन अधिनियम-2017 की धारा 4 के भाग 5 के अन्तर्गत निर्धारित गति सीमा व बाँई लेन में ना चलकर नियम की उल्लघंना करता है तो उसका चालान किया जाए। पुलिस अधीक्षक अम्बाला के निदेर्शों की पालना एवम सड़क सुरक्षा सुनिर्श्चित करने के लिए आज दिनांक 03 जून 2023 को यातायात पुलिस अम्बाला ने मोटर वाहन अधिनियम-2017 की धारा 4 के भाग 5 के अन्तर्गत निर्धारित गति सीमा व बाँई लेन में ना चलकर नियमों की उल्लघंना करने पर 37 भारी वाहनों के चालान किए। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भारांपुर ग्रामीण क्षेत्र में बना तकनीकी शिक्षा का हब

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार)
शहजादपरु के गांव भारांपुर में स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ने कुछ समय में ही अपनी एक पहचान बनाई है। संस्थान लडके-लड़कियों को तकनीकी शिक्षा देने के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संस्थान की स्थापना के समय केवल दो ही व्यवसाय फिटर व प्लम्बर शुरू किए गए थे। वर्तमान में इस संस्थान में कुल 15 व्यवसाय (02 अतकनीकी व 13 तकनीकी) चल रहे हैं जिनमें कुल 556 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण ग्रहण कर रहे हैं। जिला नोडल अधिकारी/प्रधानाचार्य भूपिन्द्र सिंह सांगवान के नेतृत्व में तथा संस्थान प्रभारी विनोद सिंह शेखावत के प्रयासों से आईटीआई भारांपुर तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीय योगदान दे रहा है।
आईटीआई भारांपुर में ये व्यवसाय चल रहे हैः- कारपेन्टर, कोपा, ड्रेस मेंकिंग, इलैक्ट्रिशियन, फिटर, आई. एंड सी.टी.एस.एम., मशीनिष्ट, मैके.आर. एंड ए.सी., पेन्टर जनरल, प्लम्बर, शीट मैटल वर्कर, टरनर, वैल्डर, वायरमैन तथा टी.पी.ई.एस। इन व्यवसायों के पासशुदा छात्र-छात्राएं विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों व सरकारी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इन व्यवसायों के पासशुदा छात्र-छात्राएं भिन्न-भिन्न विभागों जैसे रेलवे, रोडवेज, लोक निर्माण विभाग आदि में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। आई.टी.आई. करने के बाद सीटीआई जैसे कोर्स करने पर इसी विभाग में अनुदेशक के पद पर भी नौकरी प्राप्त की जा सकती है। वर्तमान में संस्थान में लगभग सभी ट्रेडस के अनुदेशक कार्यरत हैं जो पूरी लगन, निष्ठा व मेहनत से अपना कार्य करते हैं। संस्थान में प्रशिक्षणार्थियों के लिए पुस्तकालय का भी व्यवस्था है। संस्थान में सभी कमरे व वर्कशॉप खुले व हवादार है। संस्थान में प्रशिक्षणार्थियों के लिए इंटरनैट की सुविधा सहित कम्प्यूटर सिस्टम भी उपलब्ध हैं ताकि प्रशिक्षणार्थी ऑनलाईन माध्यम से अपने विषयों व प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी प्राप्त कर सकें। संस्थान में प्रशिक्षणार्थियों के लिए निःशुल्क फोटोस्टेट की व्यवस्था है। संस्थान में प्रशिक्षणार्थियों के लिए खेल की व्यवस्था भी है। संस्थान में प्रशिक्षणार्थियों के लिए भिन्न-भिन्न खेलों का सामान उपलब्ध है। संस्थान में सभी कमरों व संस्थान परिसर में निगरानी हेतु सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगे हुए हैं। संस्थान में प्रशिक्षणार्थियों के लिए कैंटिन की व्यवस्था भी है ताकि प्रशिक्षणार्थियों को बाहर न जाना पडे। प्रशिक्षण कार्य में बाधा उत्पन्न न हो इसके लिए जनरेटर की व्यवस्था है। संस्थान में छात्र-छात्राओं के सर्वांगिण विकास के लिए संस्थान स्तर पर विभिन्न क्लब व कमेटियां बनाई हैं जैसेः- रेड रिबन क्लब, इको क्लब, लीगल लिटरेसी क्लब, पासपोर्ट क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना, वोटर आई0डी0 कार्ड कमेटी, एंटी नारकोटिक्स क्लब, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन क्लब।
संस्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना की एक यूनिट वर्ष 2019 में स्थापित की गई थी। इस यूनिट द्वारा समय-समय पर कई प्रकार के कार्यक्रमों जैसे स्वच्छता अभियान, पौधा रोपण आदि का आयोजन किया जाता है। इसका मुख्य उदेश्य छात्र-छात्राओं को राष्ट्र के लिए निष्ठावान बनाने के लिए सामाजिक कल्याण के लिए प्रोत्साहित करना और बिना पक्षपात के समाज को सेवा प्रदान करना है। एंटी नारकोटिकस क्लब के अन्तर्गत छात्र-छात्राओं को नशे से बचाव के प्रति जागरूक किया जाता है। संस्थान में शैक्षणिक महौल के साथ-साथ सांस्कृतिक तथा खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया जाता है जिसके तहत संस्थान में गठित क्लब/सैल/कमेटियों द्वारा समय-समय पर प्रतियोगिताओं व कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। ट्रेनिजों के ज्ञानवर्धन तथा शोध के प्रति प्रेरित करने हेतु संस्थान में विद्वानों व शिक्षाविदों द्वारा व्याख्यान करवाए जाते हैं। ट्रेनिजों की बौद्धिक क्षमता को विकसित करने के लिए विभिन्न वाद-विवाद प्रतियोगिताओं एवं चचाओं का आयोजन किया जाता है। सरकार द्वारा समय-समय पर प्रशिक्षणार्थियों के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी व प्रगतिशील योजनाओं को सार्थक ढंग से लागू किया जाता है। संस्थान प्रभारी विनोद सिंह शेखावत ने बताया कि संस्थान में सभी ऐसे व्यवसाय उपलब्ध हैं जो रोजगारान्मुखी हैं। संस्थान में छात्र-छात्राओं की अप्रैन्टिसशीप व प्लेसमैन्ट हेतु अप्रैन्टिसशीप व प्लेसमैन्ट सैल स्थापित है।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश की साख को दी उड़ान : नितिन भाई पटेल

नई टिहरी/टीम एक्शन इंडिया
महा जनसंपर्क अभियान के तहत टिहरी पहुंचे गुजरात के पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन भाई पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने नौ साल के कार्यकाल में देश में अभूतपूर्व कामों को अंजाम दिया है। देश की सीमाओं को सुरक्षित करने के साथ विदेशों में देश की साख को मजबूत किया है। उनके नेतृत्व में देश मजबूत अर्थ व्यवस्था की ओर कदम बढ़ा रहा है।
नितिन भाई पटेल एक निजी होटल में महा जनसंपर्क अभियान को लेकर रविवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इसमें उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश में लंबे समय तक देश में राज किया, लेकिन इस दौरान मात्र परिवारवाद को बढ़ाने का काम किया। देश को जिस तेजी से विकास करना चाहिए था, वहीं नहीं हुआ।
जबकि प्रधानमंत्री मोदी के 9 साल के छोटे से कार्यकाल में देश में टेक्नालाजी से लेकर आर्थिक विस्तार को गति दी गई है। आज देश में ऐसे उद्योग स्थापित हुए हैं, जिनसे विदेशों पर निर्भरता घटी है। कोविड काल में वैक्सीन का समय पर उत्पादन कर देश में करोड़ों लोगों के जीवन को बचाने का काम किया।
इस दौरान देश में स्वास्थ्य सेवाओं को तेजी से बढ़ाने काम किया गया। देश में लगातार एम्स की संख्या बढ़ाकर देश वासियों को स्वास्थ्य सेवायें मुहैया करवाकर पीएम जन आरोग्य योजना के तहत फ्री इलाज मुहैया करवाया है। देश निरंतर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नये आयामों को गढ़ रहा है, जिसका बखान किया नहीं जा सकता है।
टिहरी सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह ने उपलब्धियों को गिनाते हुए बताया कि केंद्र सरकार का अब तक का 9 वर्ष क कार्यकाल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण का काल रहा है। जिसमें टिहरी लोकसभा के तहत में बेहतर कार्य हुए हैं। इनमें उत्तरकाशी के सीमांत हर्षिल क्षेत्र की नेलांग वैली को इनर लाइन से मुक्त करवाने का काम किया गया। यमुनोत्री-गंगोत्री धाम को रेलवे लाइन से जोड़ने के लिए रेलवे लाइन का सर्वे करवाकर डीपीआर तैयार करवाई गई है। आल वेदर रोड का कार्य तेजी से करवाया जा रहा है। टिहरी-उत्तरकाशी व देहरादून की कई सड़कों का जीर्णोद्धार केंद्रीय सड़क निधि से करवाया गया है। सुदूरवर्ती क्षेत्रों में मोबाइल सेवाओं का विस्तार तेजी से किया जा रहा है। देहरादून से कालसी रेलवे लाइन का सर्वे कार्य करवा कर डीपीआर की कार्यवाही की जा रही है। डोबरा-चांठी पुल निर्माण के लिए एक मुश्त राशि प्रदान की गई। टिहरी झील को विकसित करने के लिए भारत सरकार से 1200 करोड़ की धनराशि स्वीकृत करवाई गई है। कोविड के दौरान सांसद निधि से कार्य करवाये गये।

खिलाड़ियों और कोच ने की सीएम से भेंट

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री से रविवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड समर गेम्स में प्रतिभाग करने के लिए जा रहे खिलाड़ियों और कोच ने भेंट की।
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी खिलाड़ियों और कोच को 17 जून से 25 जून तक बर्लिन, जर्मनी में होने वाले इन खेलों के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उत्तराखंड से स्पेशल ओलिंपिक भारत एरिया के दो फुटसेल खिलाड़ी और तीन कोच का चयन जर्मनी में होने वाले स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड समर गेम्स के लिए हुआ है। 12 जून को ये खिलाड़ी जर्मनी के लिए रवाना होंगे। इनमें फुटसेल खिलाड़ी हिमांशु बिष्ट और हर्षित कुमार, वॉलीबॉल कोच जगदीश चौहान, उपदेश उपाध्याय और फुटसेल कोच जितेंद्र कुमार का नाम है। इस मौके पर स्पेशल ओलिंपिक उत्तराखंड के निदेशक डी.बी.पी.एस रावत, जगदीश चौहान, अंकुर अग्रवाल, राजेश भट्ट व विजयलक्ष्मी उपस्थित थे।

कबीरदास की जयंती पर संतों ने दी श्रद्धांजलि

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
कबीर दास की जयंती के अवसर पर संतों ने कबीर की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।
लक्ष्मण झूला मार्ग पर स्थित कबीर चौरा आश्रम के संस्थापक ब्रह्मलीन महंत प्रदीप दास के शिष्य महंत कपिल मुनि की अध्यक्षता में आयोजित कबीर साहिब के प्रकाश उत्सव के दौरान संतों ने कहा कि संत मिलन को जाइए तज माया अभिमान जो जो पग आगे धरे कोटि यज्ञ समान, का अनुपालन करते हुए कबीर दास के लिखे गए दोहों से सभी कबीर पंथियों को समाज के सभी वर्गों से मिलकर चलने का मार्ग प्रशस्त किया है।
इस दौरान गुजरात से पहुंचे स्वामी कमलेशानंद, महंत गोपाल गिरी,मंहत शुभम गिरी, राजेंद्र दास, मनोज, गुरु दयाल दास ने कबीर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने सादा जीवन जीकर समाज का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि कबीर वाणी भिजत बर्षा, बरसत कंबल यह है, उनकी प्रमुख वाणी रही है।
इनका अवतार एक गरीब जुलाहे के घर में हुआ था और उन्होंने अपने गुरु के रूप में स्वामी रामानंद को चुना था, जिनके मार्गदर्शन में ही उन्होंने समाज को दिशा देने का कार्य किया। मीठी वाणी में ही सर्व समाज का कल्याण भी निहित है।

एसपी ट्रैफिक को गलत सूचना देना पड़ा भारी, महिला आरक्षी सहित 04 लाइन हाजिर

हरिद्वार
एसपी ट्रैफिक को गलत सूचना देना चार पुलिस कर्मियों को भारी पड़ गया। एसएसपी ने चारों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए लाइन हाजिर कर दिया है।
वीकेंड के दौरान तीर्थनगरी हरिद्वार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। इस कारण से शहर चारों ओर से यात्रियों से पैक हो जाता है। यात्रियों के भारी संख्या में आ जाने के कारण इस दौरान जाम लगना सामान्य बात है। जाम ने निजात दिलाने के लिए पुलिस प्रशासन को अतिरिक्त ट्रैफिक पुलिस की व्यवस्था करनी पड़ी।

सड़क पर अवैध रूप से वाहन पार्क करने वालों पर कार्रवाई शुरू

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
शहर में सड़क के किनारे अवैध रूप से वाहन खड़े करने पर अब सख्ती शुरू हो गई है।
जी-20 समिट के दौरान त्रिवेणी घाट पर होने वाली सांध्य आरती को लेकर जहां प्रशासन ने युद्ध स्तर पर काम शुरू कर रखा है, वहीं शहर की यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए भी कुछ सख्त कदम प्रशासन की और से उठाए जा रहे हैं।
खासतौर पर सड़कों किनारे बेतरतीब वाहन पार्क करने वालों के विरुद्ध पुलिस प्रशासन एक्शन मोड में नजर आ रहा है।ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी शहर के तमाम भीड़भाड़ वाले इलाकों में वाहनों में घूम कर लोगों को सड़क किनारे अपने वाहन नहीं खड़े करने के लिए कह रहे हैं। ट्रैफिक कर्मी लोगों को अपने वाहन सड़क किनारे नही खड़े करने की हिदायत दे रहे हैं। जो वाहन चालक ट्रैफिक पुलिस की इस चेतावनी के बावजूद अपने वाहन सड़क पर खड़े करेंगे, उस वाहन को क्रेन से वहा से उठाकर कार्रवाई की जा रही है।

न्यूज फ्लैश

अवधूत मंडल आश्रम के दानपात्र से कर रहा था चोरी, गिरफ्तार

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध अवधूत मंडल आश्रम के दानपात्र से रुपये चुराकर भाग रहे एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। युवक के पास से चोरी के रुपये भी बरामद हो गए हैं। आरोपित युवक का चालान कर दिया गया है।ज्वालापुर के शंकर आश्रम तिराहा स्थित अवधूत मंडल आश्रम में घुसकर चोरी छिपे एक युवक ने वहां रखे दानपात्र को तोड़कर उसमें रखे 3390 रुपये निकाल लिए। युवक की इस हरकत पर आश्रम के कर्मचारी की नजर पड़ गई। इससे पहले कि युवक उन रुपयों को लेकर आश्रम से बाहर निकलता, उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस आरोपित युवक को पकड़ कर कोतवाली लाई। तलाशी में आरोपित के पास से चोरी के 3390 रुपये और एक स्टील, लोहे की रॉड बरामद किया। पूछताछ में पकड़े गए युवक ने अपना नाम सारांश निवासी सोसायटी एरिया सुभाष नगर क्लिमेंट टाउन देहरादून बताया।

जाम के झाम से बेहाल हुई तीर्थनगरी

हरिद्वार
ज्येष्ठ पूर्णिमा स्नान के साथ वीकेंड के चलते तीर्थनगरी भीषण जाम के झाम में फंसी नजर आईं। शहर की हर सड़क या गली में जाम ही जाम नजर आया। जाम के कारण यात्रियों के साथ स्थानीय लोगों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ी। भीड़ के कारण स्थानीय लोग घरों में ही कैद रहने का मजबूर हुए। जाम के साथ उमस भरी गर्मी ने लोगों की समस्याओं में और इजाफा कर दिया। जाम के साथ लोग गर्मी से भी परेशान दिखे। भीड़ के कारण प्रशासन की यातायात व्यवस्था धड़ाम हो गई। पुलिस के लाख मशक्कत के बाद भी जाम के झाम से लोगों को निजात नहीं मिल पाई।शहर के भीतरी मार्गों के साथ हाइवे पर भी भारी जाम रहा। सब वे पर भी भीड़ के कारण वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। जाम का आलम यह था की दो किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए बड़े वाहनों को एक घंटे से अधिक का समय लगा। ज्वालापुर से नेपाली फार्म तक जाम ने लोगों को खासा परेशान किया। जाम में फंसे लोग गमी के कारण खासे परेशान दिखाई दिए। मंशा देवी और हरकी पैड़ी मार्ग अपर रोड पर तो स्थिति ऐसी थी कि पैदल चलने वालों का भी जाम लगा हुआ था। जाम खुलवाने के लिए यातायात व्यवस्था में लगे पुलिसकर्मी व्यवस्था बनाने में जुटे रहे, किन्तु किसी प्रकार की कोई राहत नहीं मिल पाई।

छिद्दरवाला में केन्द्र की मोदी सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर हुआ

8 डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने मोदी सरकार के नौ वर्ष के कार्यों को जनता के बीच लेकर जाने का आह्वान किया

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
छिद्दरवाला में मोदी सरकार के नौ वर्ष पूर्ण करने पर ग्रामीण क्षेत्र में जनसंवाद कार्यक्रम किया गया। इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने मोदी सरकार के नौ वर्ष के कार्यों को जनता के बीच लेकर जाने का आह्वान किया। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने विपक्ष पर जातिवाद तथा क्षेत्रवाद फैलाने का आरोप लगाते हुए 2022 विधानसभा में विरोधी दलों को पंचायत चुनाव के लिए खुली चुनौती भी दी।
छिद्दरवाला स्थित अंकुर पब्लिक स्कूल में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में पिछले नौ सालों में देश के हर वर्ग का कल्याण हुआ है। आजादी के बाद के वर्षों की तुलना में पिछले नौ वर्षों के दौरान विकास के सभी मापदंडों के आधार पर हम कह सकते हैं, हमारे देश ने हर क्षेत्र में जबरदस्त प्रगति की है, जिसका लोहा आज संपूर्ण विश्व मान रहा है।
डॉ. अग्रवाल ने कहा कि वर्ष 2014 में देश की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी पर अपना भरोसा जताया था और आज जनता के इसी भरोसे ने 2014 से 2023 के नौ वर्षों की अवधि में देश की समृद्धि रूपी रेल गाड़ी को ह्रविकास रूपी पटरियों पर तेजी से दौड़ाने का कार्य किया है।
डॉ. अग्रवाल ने अपने साढ़े 16 वर्षों के कामों को भी जनता के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि 16 वर्ष पूर्व की दयनीय स्थिति में आज सुधार आया है। पहले के विधायक सिर्फ अपने चहेतों का ही विकास करते थे, मगर आज उनके द्वारा हर वर्ग, हर समाज, हर जाति का विकास कार्य किया जा रहा है।
इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य विमला नैथानी ने कहा कि आजकल ऋषिकेश में कांग्रेस के हारे प्रत्याशी जातिवाद को खूब फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे हारे प्रत्याशी का जनता में कोई जनाधार नहीं है। अपनी हार को स्वीकार न कर पाने के कारण ऐसी नीच हरकत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता ऐसे लोगों को न कभी स्वीकार करती है और न ही करेगी।

निरंजनी सुपर 33 के तहत अक्षत त्रिवेदी ने रचा इतिहास

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
एसएमजेएन पीजी कालेज के बी काम अन्तिम वर्ष के छात्र अक्षत त्रिवेदी ने नेशनल टेस्टिंग एजेन्सी के माध्यम से कामन एन्ट्रेस टेस्ट में 94.798 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कालेज के इतिहास में अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों से अंकित कर दिया है।
कालेज के प्राचार्य डॉ सुनील बत्रा ने बताया कि अक्षत त्रिवेदी निरंजनी सुपर 33 बेच के छात्र हैं, जिसे कालेज प्रबन्धन एवं प्रशासन ने एक अभिनव प्रयोग के रूप में प्रारम्भ किया है।

श्रीराम नाम विश्व बैंक समिति ने किया पौधरोपण

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
श्रीराम नाम विश्व बैंक समिति ने विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर वृहद स्तर पर पौधारोपण किया। इस दौरान संस्था ने हरिद्वार के ऋषिकुल स्थित राम घाट के आसपास पीपल, बड़, नीम, लीची, आम, अशोक सहित कई तरह के पौधे रोपित किये।
इस मौके पर संस्था के देव महाराज ने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखना एक विश्व स्तरीय चुनौती बनती जा रही हैं। पौधरोपण और उनका संरक्षण करना एक मात्र उपाय है। उन्होंने आम लोगों और छात्र छात्राओं से अधिकाधिक पौधारोपण कर उसके देखभाल पर भी ध्यान देने की अपील की।
संस्था के अध्यक्ष सुमित तिवारी आज हमारी संस्था श्रीराम नाम विश्व बैंक ने हरिद्वार में पीपल, बड़, नीम, लीची, आम, अशोक सहित कई तरह के पौधारोपण किये। उत्तराखंड राज्य की उत्पत्ति में वृक्ष, जंगल का महत्व निहित है। हम सभी नागरिकों का यह मौलिक कर्तव्य है कि हम सभी पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। विश्व आज ग्लोबल दुष्परिणाम से गुजर रहा है। हमें संयुक्त प्रयास से जलवायु संरक्षण करने की आवश्यकता है।

महिला संगठनों के समूहों को रोजगार परक बनाने को सरकार दे रही बढ़ावा : ऋतु खंडूडी

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया
गंगोत्री तीर्थधाम के दर्शन कर लौटी उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने अपने उत्तरकाशी प्रवास के दौरान विभिन्न स्वयं सहायता समूह संगठनों की महिलाओं से मुलाकात कर उनके समूहों को रोजगार बनाने को बढ़ावा देने का आश्वासन दिया।
विधानसभा अध्यक्षा ऋतु खंडूडी ने झाला में ग्रामीण स्वरोजगार आजीविका मिशन (एन.आर.एल.एम.) के तहत सोमेश्वर देवता ग्राम संगठन के किये जा रहे कार्यों और एप्पल प्रोसेसिंग का निरीक्षण किया। इसके बाद नैताला में गंगा कृषि उत्पादन और कस्टमर लोकेटेड इक्विपमेंट समूह के व्यवसाय गतिविधि का भी निरीक्षण। विधानसभा अध्यक्षा ने विभिन्न स्वयं सहायता समूह की महिला संगठनों से मुलाकात कर सभी समूहों को रोजगार परक व्यवसायिक गतिविधि को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया।
इस अवसर दौरान खण्ड विकास अधिकारी अमित ममगाई, सहायक खण्ड विकास अधिकारी कैलाश चन्द रमोला, मेनेजर (एनआरएलएम) सतीश नौटियाल जीवंत, ग्राम प्रधान ने ननैताला मधु राणा, सरिता नौटियाल , सीमा सजवाण, मीना पंवार, कमला देवी ,बिंदु देवी, दुर्गेश्वरी, ललिता देवी ,पार्वती, सावित्री आदि समूह की सैकड़ों महिलाएं, भाजपा नेता आदि मौजूद रहे।

स्वतंत्रता सेनानी परिवारों ने रेल दुर्घटना में दिवंगतों को दी श्रद्धांजलि

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
देशभर में प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को मनाए जा रहे 10 बजे 10 मिनट अपने पूर्वजों के नाम अभियान के अंतर्गत आज पूरे देश के विभिन्न जिलों के साथ ही हरिद्वार के ऋषिकुल आयुर्वेद कालेज में अमर शहीद जगदीश वत्स की प्रतिमा पर पुष्पांजलि समर्पित कर स्वतंत्रता सेनानी, शहीद परिवारों सहित नगर के गण्यमान्य नागरिक भी सम्मिलित हुए। इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी और उनके परिवार के सदस्यों ने रेल दुर्घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी आत्मशांति के लिए प्रार्थना की।
सर्वप्रथम अमर शहीद जगदीश वत्स की प्रतिमा पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भारत भूषण विद्यालंकार, आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुनील कुमार जोशी, सुभाष घई, मुरली मनोहर, डॉ नरेश कुमार चौधरी तथा सेनानी परिवारों के शुभ चिन्तक, समाजसेवी जगदीश लाल पाहवा द्वारा माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात उपस्थित परिवारों ने पुष्पांजलि समर्पित की, राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत का गायन किया।इस अवसर पर उपस्थित सेनानी परिवारों को स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति के महासचिव जितेन्द्र रघुवंशी ने बताया कि हर महीने प्रथम रविवार 10 बजे 10 मिनट पूर्वजों के नाम अभियान पूरे देश भर में आज एक साथ हो रहा है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम से सामाजिक क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने वाले संगठनों ने आजादी के दीवाने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवारों की सहायता करने के भाव प्रकट किए हैं। इसी क्रम में आज शिवडेल स्कूल के संस्थापक, संचालक स्वामी शरदपुरी ने उनके जगजीतपुर और बीएचईएल स्कूलों में अध्ययन करने वाले स्वतंत्रता सेनानी परिवारों के छात्रों के शिक्षण शुल्क में रियायत देने की घोषणा की है।
जितेंद्र रघुवंशी ने बताया कि अब हर महीने इस कार्यक्रम में विगत माह दिवंगत हुए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, वीरांगनाओं, सेनानी परिवारों के स्वजनों की शान्ति और सद् गति के लिए दो मिनट मौन रहकर श्रद्धांजलि समर्पित की जाएगी। इसके साथ ही वहां मौजूद सभी लोगों ने रेल दुर्घटना में मारे गए यात्रियों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा। श्री रघुवंशी और अन्य सभी ने रेल दुर्घटना को दुखद बताते हुए मृतकों की आत्मशांति की कामना की।
आज स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की जीवन गाथा के अन्तर्गत संगठन के उपाध्यक्ष मुरली मनोहर ने अपने पिता स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वैद्य मोहन लाल के जीवन परिचय की जानकारी देते हुए बताया कि हमारी दादी के निधन के समय पिताजी जेल में थे। उनसे माफी मांगकर मां के अन्तिम संस्कार में शामिल होने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और मां की अन्त्येष्टि में शामिल नहीं हुए। हमारे आजादी के दीवाने ऐसे हुए। हरिद्वार जिले में स्वतंत्रता सेनानी स्मृति स्तंभ बहादराबाद, लक्सर, भगवानपुर, रुड़की के साथ ही राजा विजय सिंह स्मारक कुंजा बहादुरपुर में भी पुष्पांजलि समर्पित करके राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत गायन किया गया।

संपादकीय

दहलाते रेल हादसे

बेशक बालासोर रेल दुर्घटना देश क्या दुनिया के भीषणतम हादसों में एक है। इतना ही नहींऔर याद भी नहीं कि देश में कभी एक साथ तीन रेलें इस तरहटकराई हों? दुर्घटना से जो एक सच सामने आया है वो बेहद दुखद और चौंकाने वाला है जिसमें रिजर्व बोगियों के अलावा मौतें जनरल बोगियोंमें सवारों की भी हुईं। उससे भी बड़ी हमेशा की तरह सच्चाई ये कि यह दुर्घटना स्टेशनपहुंचने से थोड़ा पहले हुई।अप और डाउन दोनोंट्रैककिसी स्टेशन पर पहुंचने से पहले यात्री सुविधाओं की दृष्टि सेकई लूप ट्रैक में विभाजित होकर रुकने वालीट्रेनों कोप्लेटफॉर्म तक और माल व नॉन स्टाप गाड़ियों को आगे का सीधा ट्रैक पकड़ाते हैं।यहां आगे जा रही या पीछे से आ रही ट्रेनों की स्थिति और निगरानीमें जरा सी चूकहादसों में बदल जाती है, यही हुआ। यकीनन ट्रेनों के परिचालन के लिए नित नई उन्नत और नवीनतम तकनीक विकसित होती जा रही है। बावजूद इसके हादसे उतने ही गहरे जख्म भी छोड़ जाते हैं।दरअसल ये हादसा बहानागा रेलवे स्टेशन के पास शालीमार-चेन्नै कोरोमंडल एक्सप्रेस (12841),और सर एम.विश्वेश्वरैया टर्मिनल-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12864) तथा मालगाड़ी एक-दूसरे से टकराने से हुआ। कोरोमंडल एक्सप्रेस डिरेल होकर खड़ी मालगाड़ी से टकराई डिब्बे गिरे और लोग निकल जान बचाने इधर-उधर भगाने लगे। ठीक ऊसी समय दूसरे ट्रैक पर आ रही यशवंतपुर हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12864)आ गई और पहले गिरी दोनों ट्रेनों से टकरा गई। इसके चलते हादसे का रूप भयंकर वीभत्स और दिल दहला देने वाला हो गया। जान बचाकर भागते कई लोग भी शिकार हो गए। सुबह जब ड्रोन से तस्वीरें मिलने शुरू हुईं तो रोंगटे खड़े कर देने वाले दर्दनाक मंजरों ने और डरा दिया। जबकि बोगियों के अन्दर की तस्वीरें बेहद दर्दनाक थीं। किसी का सर धड़ से अलग था किसी के हाथ-पैर और क्षत-विक्षत शरीर।मालगाड़ी के डिब्बे के ऊपर सवारी गाड़ियों के डिब्बे जिग-जैग पोजीशन में एक-दूसरे ऊपर 50-55 फीटतक जा चढ़े। कई डिब्बे सैकड़ों मीटर दूर तक जा फिकाए। दोनों ही ट्रेन अपनी पूरी क्षमता से भरी थीं यानी 1750 यात्रियों को लेकर कुल 3500 यात्रियों की क्षमता के साथ अलग-अलग लेकिन पूरी रफ्तार से दौड़ रहीं थीं। सैकड़ों जाने चली गईं और दुर्घटना का शिकार हो गए। पिछले 20 वर्षों में यह सबसे बड़ा हादसा है।

बीते बरस की ही बात है, जीरो रेल एक्सीडेण्ड मिशन में ऑटो ब्रेक सिस्टम पर तेजी से काम की खूब बातें हुईं। ट्रेन प्रोटेक्शन एण्ड वार्निंग यानी टीपीडब्ल्यूएस तकनीक का ढिंढ़ोरा पिटा।वो प्रणाली बताई गई जिसमें गलती से भी कोई ट्रेन रेड सिग्नल जंप कर जो तो यह वार्निंग प्रणाली उसे रोक देगी। डिवाइस लोकोपायलट के उन क्रियाकलापों को मॉनीटर करेगाजिसमें ब्रेक, हार्न, थ्रोटल हैंडल शामिल हैं।यदि कोई लोको पायलटप्रतिक्रिया नहीं देगा या झपकी लग जाएगी तो ये सिस्टमखुद तुरंत ऐक्टिवेट होकर ब्रेक लगाएगा।यदि ट्रेनों की रफ्तार तय स्पीड से ज्यादा हुई और रेड सिग्नल दिखा तो भी सिस्टम लोको पायलट का रिस्पांस न मिलने पर खुद सक्रिय होगा तथा धीरे-धीरे ब्रेक लगाकर इंजन बंद कर देगा।इस हादसे पर इससे भी बड़ी विडंबना या मजाक ये कि महज एक दिन पहले 1 जून को ही रेल मंत्रालय ने ट्रेन सुरक्षा पर बड़ा चिंतन शिविर किया।

नई तकनीकों पर जोरदार पक्ष रखा।रेल के सफर को सुरक्षित और आरामदेह बनाने पर फोकस किया और दावा कि कवच तकनीक से लैस ट्रेनों का आपस में एक्सीडेंट हो ही नहीं सकता।

पर्यावरण संरक्षण से ही होगी पृथ्वी की सुरक्षा

रमेश सर्राफ धमोरा

> “संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1972 में पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। लेकिन विश्व स्तर पर इसके मनाने की शुरूआत 5 जून 1974 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई थी। जहां 119 देशों की मौजूदगी में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साथ ही प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का गठन भी हुआ था। हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के लिए एक थीम निर्धारित की जाती है। इस बार की थीम प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान पर आधारित है। इस दिन आयोजित होने वाले कार्यक्रम इसी थीम पर आधारित होंगे। संकल्प लेना होगा कि हमें प्रकृति से सदभाव के साथ जुड़ कर रहना है।”

हमारी धरती, जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण का सुरक्षित रहना बहुत जरूरी है। पूरी दुनिया आधुनिकता की ओर बढ़ रही हैं। दुनियाभर में हर दिन ऐसी चीजों का इस्तेमाल बढ़ रहा है जिससे पर्यावरण खतरे में हैं। इंसान और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है। प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं। ऐसे में प्रकृति के साथ इंसानों को तालमेल बिठाना होता है। लेकिन लगातार वातावरण दूषित हो रहा है। जिससे कई तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं। जो हमारे जनजीवन को तो प्रभावित कर ही रही हैं। साथ ही कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं की भी वजह बन रही हैं। सुखी स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। इसी उद्देश्य से हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिन लोगों को विभिन्न कार्यक्रमों के जरिये प्रकृति को संरक्षित रखने और इससे खिलवाड़ न करने के लिए जागरूक किया जाता हैं। इन कार्यक्रमों के जरिये लोगों को पेड़-पौधे लगाने, पेड़ों को संरक्षित करने, हरे पेड़ न काटने, नदियों को साफ रखने और प्रकृति से खिलवाड़ न करने जैसी चीजों के लिए जागरुक किया जाता है। इस बार हम सब को मिलकर पृथ्वी को प्रदूषण मुक्त बनाने का संकल्प लेकर उस दिशा में काम करना प्रारम्भ करना चाहिये।

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1972 में पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। लेकिन विश्व स्तर पर इसके मनाने की शुरूआत 5 जून 1974 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई थी। जहां 119 देशों की मौजूदगी में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साथ ही प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का गठन भी हुआ था। हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के लिए एक थीम निर्धारित की जाती है। इस बार की थीम प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान पर आधारित है। इस दिन आयोजित होने वाले कार्यक्रम इसी थीम पर आधारित होंगे। हमें अपने मन में संकल्प लेना होगा कि हमें प्रकृति से सदभाव के साथ जुड़ कर रहना है। इस पर्यावरण दिवस पर हम सब इस बारे में सोचें कि हम अपनी धरती को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए और क्या कर सकते हैं। किस तरह

इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। पर्यावरण दिवस पर अब सिर्फ पौधारोपण करने से कुछ नहीं होगा। जब तक हम यह सुनिश्चित नहीं कर लेते कि हम उस पौधे के पेड़ बनने तक उसकी देखभाल करेंगें। देश में तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण बड़ी मात्रा में कृषि भूमि आबादी की भेंट चढ़ती गई। जिस कारण वहां के पेड़ पौधे काट दिये गये व नदी नालों को बंद कर बड़े-बड़े भवन बना दिए गए। जिससे वहां रहने वाले पशु, पक्षी अन्यत्र चले गए। लेकिन लाकडाउन ने लोगों को उनके पुराने दिनों की याद दिला दी है। पुराने समय में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिये पड़ो को देवताओं के समान दर्जा दिया जाता था। ताकि उन्हे कटने से बचाया जा सके। बड़-पीपल जैसे घने छायादार पेड़ो को काटने से रोकने के लिये उनकी देवताओं के रूप में पूजा की जाती रही है। इसी कारण गावों में आज भी लोग बड़ व पीपल का पेड़ नहीं काटते हैं। मनुष्य प्रकृति द्वारा बनाया गया सबसे बुद्धिमान प्राणी माना जाता है। उसने एक ओर जहां विज्ञान से प्रौद्योगिक का विकास किया वहीं दूसरी ओर अंधाधुंध शहरीकरण तथा औद्योगिकीकरण भी किया। इसी का नतीजा है कि उद्योगों से निकलने वाला धुआँ, दूषित पदार्थ आदि प्रदूषण को जन्म दें रहे हैं। इस कारण जलप्रदूषण, वायुप्रदूषण हुआ है। आवास एवं शहरीकरण हेतु वनों की अत्यधिक कटाई के कारण मिटटी प्रदूषण एवं भूमि कटाव जैसी समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। वर्तमान समय में प्रदूषण किसी एक गांव, कस्बे या शहर की समस्या नहीं है अपितु यह संपूर्ण विश्व की बहुत विकराल समस्या बन गई है।

यदि समय रहते प्रदूषण जैसी समस्या का समाधान नहीं निकाला गया तो इसका खामियाजा संपूर्ण मानव जाति को भुगतना होगा। और इसके भयंकर परिणाम होंगे जो हमारे साथ भविष्य में आने वाली पीढ़ी भी भुगतेगी। नेशनल हेल्थ पोर्टल आफ इंडिया के मुताबिक देश में हर साल करीब 80 लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण की वजह से हो जाती है। वायु प्रदूषण के चलते लोगों को शुद्ध हवा नहीं मिल पाती है। जिसका हमारे शरीर में फेफड़े, दिल और दिमाग पर बुरा असर पड़ रहा है। देश में 34 प्रतिशत लोग प्रदूषण की वजह से मरते हैं।

पर्यावरण का अर्थ होता है परि हमारे चारों ओर जो आवरण हैं। जो हमें चारों ओर से घेरे हुए है। पर्यावरण का शाब्दिक अर्थ होता है चारों ओर से घेरे हुए। पर्यावरण उन सभी भौतिक, रासायनिक एवं जैविक कारकों की समष्टिगत एक इकाई है। जो किसी जीवधारी अथवा पारितंत्रीय आबादी को प्रभावित करते हैं। हमारे चारों तरफ का वह प्राकृतिक आवरण जो हमें सरलता पूर्वक जीवन यापन करने में सहायक होता है वह पर्यावरण कहलाता है। पर्यावरण से हमें वह हर संसाधन उपलब्ध हो जाते हैं जो किसी सजीव प्राणी को जीने के लिए आवश्यक है। पर्यावरण ने हमें वायु, जल, खाद्य पदार्थ, अनुकूल वातावरण आदि उपहार स्वरूप भेंट दिया है। पर्यावरण स्वस्थ जीवन और ग्रह पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पृथ्वी विभिन्न जीवित प्रजातियों के लिए एक घर है और हम सभी भोजन, हवा, पानी और अन्य जरूरतों के लिए पर्यावरण पर निर्भर हैं। इसलिए, प्रत्येक व्यक्ति के लिए अपने पर्यावरण को बचाना और उसकी रक्षा करना महत्वपूर्ण है।

तीन वर्ष पूर्व लाकडाउन का वह समय पर्यावरण की दृष्टि से अब तक का सबसे उत्तम समय रहा था। उस दौरान शहरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी वायु प्रदूषण का स्तर घटकर न्यूनतम स्तर पर आ गया है। देश की सभी नदियों का जल पीने योग्य हो गया था। जो किसी चमत्कार से कम नहीं है। पूरी दुनिया में पिछले वर्ष जैसा पर्यावरण दिवस शायद ही फिर कभी मने। सरकार हर वर्ष नदियों के पानी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए अरबों रुपए खर्च करती आ रही है। उसके उपरांत भी नदियों का पानी शुद्ध नहीं हो पाता है। लाकडाउन के दौरान बिना कुछ खर्च किए ही नदियों का पानी अपने आप शुद्ध हो गया था। पर्यावरणविदों के मुताबिक जिन नदियों के पानी से स्नान करने पर चर्म रोग होने की संभावनाएं व्यक्त की जाती थी। उन नदियों का पानी शुद्ध हो जाना बहुत बड़ी बात थी। देश की सबसे अधिक प्रदूषित मानी जाने वाली गंगा नदी सबसे शुद्ध जल वाली नदी बन गयी थी।

विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के दूसरे तरीकों सहित सभी देशों के लोगों को एक साथ लाकर जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और जंगलों के प्रबन्ध को सुधारना है। वास्तविक रुप में पृथ्वी को बचाने के लिये आयोजित इस उत्सव में सभी आयु वर्ग के लोगों को सक्रियता से शामिल करना होगा। तेजी से बढ़ते शहरीकरण व लगातार काटे जा रहे पड़ो के कारण बिगड़ते पर्यावरण संतुलन पर रोक लगानी होगी।

इस दिन हमें आमजन को भागीदार बना कर उन्हे इस बात का अहसास करवाना होगा कि बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन का खामियाजा हमे व हमारी आने वाली पीढियों को उठाना पड़ेगा। इसलिये हमें अभी से पर्यावरण को लेकर सतर्क व सजग होने की जरूरत है। हमें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में तेजी से काम करना होगा तभी हम बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन को संतुलित कर पायेगें। तभी हमारी आने वाली पीढ़ियां शुद्ध हवा में सांस ले पायेगी।

कविता

पर्यावरण

कुदरत भी अब कराह उठी,
दौर संक्रमण का आया है,
प्रकृति दोहन बहुत हो चुका,
धरती का श्रृंगार लुट रहा,
जागो, उठो पहचानो अब तो
खुदा की नियामत है पर्यावरण,
पौधारोपण को बढ़ाना है !

पेड़ों के निरंतर कटाव से
उजड़ रहे जीवों की आशियाने भी,
असम्भव है बिन वृक्षों के जीना,
आधार जीवन का ये रहे सर्वदा,
जागो, उठो पहचानो आज को
खुदा की नियामत है पर्यावरण,
स्वच्छ हवा में जीना है !

शत्रु मानवता का कोई और नहीं
दौड़ महज शहरीकरण की है,
प्राणवायु के दूषित होने से
महफूज रहीं ना सांसें भी,
अतिक्रमण के विषैले दौर में
पर्यावरण को अब संवारना है,
पौधारोपण को बढ़ाना है !

मुनीष भाटिया

हादसे में भी अव्वल रहे संघ के कार्यकर्त्ता

अशोक भाटिया

ओडिशा के बालासोर में हुए भयानक ट्रेन हादसे की तस्वीरें दिल दहलाने वाली हैं। इस हादसे में अब तक 280 लोगों की मौत हो चुकी है। जैसे ही हादसे की खबरें टी वी पर आना शुरू हुई भाजपा के विरोधी दलों को तो जैसे सरकार की आलोचना का मौका मिल गया । जहाँ सहायता की जरुरत थी वहां आलोचनाओं का अम्बार लग गया । रेल मंत्री से लेकर प्रधानमंत्री का त्यागपत्र मांगने वालों को तो जैसे मन की मुराद मिल गई । दूसरी ओर सांप्रदायिक हिंदूवादी, फासीवादी और इसी तरह के अन्य शब्दों से पुकारे जाने वाले संगठन के तौर पर आलोचना सहते और सुनने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने चुपचाप अपना सेवा कार्य शुरू कर दिया । बताया जाता है कि यदि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता यदि समय पर नहीं पहुँचते तो मौत का यह आँकड़ा कहीं अधिक हो सकता था। बताया जा रहा है कि एनडीआर?फ की टीम के पहुँचने से पहले ही आर एस एस कार्यकर्ता मौके पर पहुँचकर राहत और बचाव कार्य में जुट गए थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 600 स्वयंसेवक बालेश्वर ट्रेन दुर्घटना में घायलों के लिए किसी देवदूत से कम नहीं थे। वो दुर्घटनाग्रस्त ट्रेन की बोगियों में घुस-घुसकर घायलों को पीठ पर लादकर बाहर निकाल रहे थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, बालासोर में हुए ट्रेन हादसे का शिकार लोगों की मदद के लिए आरएसएस के कार्यकर्ता तन, मन, धन से अभी भी जुटे हुए हैं। इस हादसे की जानकारी मिलते ही करीब 600 कार्यकर्ता मौके पर पहुँच गए थे। वहाँ मची चीख-पुकार के बीच आरएसएस कार्यकताओं ने घायलों को इलाज के लिए तुरंत ही हॉस्पिटल ले जाना शुरू कर दिया था। आरएसएस कार्यकताओं के राहत और बचाव कार्य शुरू होने के बाद एनडीआरफ की टीम भी हादसे वाली जगह पहुँच गई। इसके बाद संघ कार्यकर्ता उनके साथ मिलकर लोगों को बचाने में जुट गए। एक ओर जहाँ आरएसएस के कुछ कार्यकर्ता ट्रेन मेंदबे हुए लोगों व घायलों की मदद कर रहे थे। वहीं, कुछ अन्य कार्यकर्ता घायलों को खून देने के लिए हॉस्पिटल पहुँच गए। रक्त दान करने आए युवाओं की भीड़ देखकर हॉस्पिटल के डॉक्टर भी हैरान हो गए थे। दरअसल, बालासोर के आर एस एस के व्हाट्सएप ग्रुप में हादसे की जानकारी के साथ ही रक्तदान करने की अपील की गई थी। इसके बाद कार्यकर्ता हॉस्पिटल पहुँच गए। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हिंदू जागरण मंच बजरंग दल सेवा भारती के स्वयंसेवकों की एक यूनिट बालेश्वर जिला अस्पताल भद्रक जिला मुख्यालय अस्पताल सोरो अस्पताल कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज व अन्य अस्पतालों में भी डटी रही। शनिवार की शाम तक घायलों की मदद के लिए स्वयंसेवक 700 यूनिट रक्तदान कर चुके हैं और यह प्रक्रिया लगातार जारी है।

विचार

रूकेगा कुपोषण और अनाज की बर्बादी

प्रेम शर्मा

केन्द्र सरकार द्वारा देश में अनाज भण्डारण क्षमता बढ़ाये जाने का निर्णय देश में काफी हद तक कुपोषण और अनाज की बबार्दी को रोकेगा। फिलहाल देश में एक अनुमान के अनुसार 40 प्रतिशत से अधिक उत्पादन बर्बाद हो जाता है। भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली कुल जनसंख्या का लगभग 25.7 प्रतिशत तथा शहरी क्षेत्रों में 13.7 प्रतिशत परिवार गरीबी रेखा के नीचे जीवन व्यतीत करने वाले है। भारत में कुपोषण का एक प्रमुख कारण गरीबी को माना जाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध से बाधित हुई खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला के चलते दुनिया के तमाम देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहे हैं। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते मौसम के मिजाज में आये अप्रत्याशित बदलाव से अनाज की गुणवत्ता और मात्रा पर असर होने लगा है। किसी संप्रभु राष्ट्र के लिये खाद्यान्न की आत्मनिर्भरता अपरिहार्य ही है। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले भारत को आने वाले समय के लिये अनाज के एक-एक दाने की रक्षा करनी होगी। वह भी ऐसे में जब किसान का खेती से मोहभंग हो रहा है। वहीं दूसरी ओर जब विकास कार्यों तथा आवासीय-कारोबारी निर्माण के लिये बड़े पैमाने पर कृषि भूमि का उपयोग हो रहा है, भंडारण क्षमता बढ़ाना जरूरी हो जाता है। ऐसे में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा अन्न भण्डारे को लेकर किए गए फैसले की सराहना की जानी चाहिए, जिसमें सहकारी क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना को मंजूरी दी गई है। जिसके अंतर्गत अन्नदाता के उत्पादों को बचाने के लिये ब्लॉक स्तर पर पांच सौ से दो हजार मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदाम बनाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही योजना के क्रियान्वयन के लिये अंतर मंत्रालयी समिति के गठन को भी हरी झंडी मिली है। निश्चय ही यह देर से उठाया गया दुरुस्त कदम है। निश्चय ही देश में मौजूदा 1450 लाख टन की भंडारण क्षमता को पर्याप्त नहीं कहा जा सकता। यही वजह है कि अगले पांच सालों में 700 लाख टन भंडारण क्षमता और बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। भारत दुनिया के सर्वाधिक अन्न उत्पादक देशों में गिना जाता है, लेकिन उसकी भंडारण क्षमता अन्य विकसित देशों के मुकाबले बेहद कम रही है। जिससे किसान को फसल तैयार होने के तुरंत बाद मंडियों में अनाज बेचने जाना पड़ता है। भंडारण क्षमता न होने के कारण किसान को औने-पौने दामों में अपने उत्पाद बेचने पड़ते हैं। यही वजह है कि भरपूर फसल उत्पादन के बावजूद उसे घाटा उठाना पड़ता है क्योंकि आपूर्ति बढ़ने से उत्पादों के दाम गिर जाते हैं। केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के अनुसार अब भारत विश्व में अनाज के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है. इस योजना की मदद से भंडारण की कमी की वजह से जो अनाज की बबार्दी होती थी वह रुकेगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सभी बड़े उत्पादक देशों के पास अपने वार्षिक उत्पादन से अधिक की भंडारण क्षमता उपलब्ध है, लेकिन भारत में अन्न के भंडारण की क्षमता, वार्षिक उत्पादन का केवल 47 प्रतिशत है। परिणामस्वरूप अनाज की बबार्दी होती है और किसानों को डिस्ट्रेस सेल करनी पड़ती है. दुनिया में चीन, अमेरिका, ब्राजील, रूस, अर्जेंटीना आदि के पास भंडारण की क्षमता कहीं अधिक है। इससे वहां के किसानों और उनसे जुड़े क्षेत्रों को मदद मिलती है। सहकारिता मंत्रालय देश के केंद्र शासित प्रदेशों व राज्यों के दस जिलों में इसकी पायलट योजना शुरू करेगा। जिससे हासिल अनुभव का लाभ शेष देश को दिया जा सकेगा, साथ ही योजना की खामियों को दूर किया जा सकेगा। केंद्रीय सहकारिता मंत्री की अध्यक्षता में एक अंतर मंत्रालयी समिति योजना के क्रियान्वयन की देखरेख करेगी। निश्चित रूप से इस योजना के क्रियान्वयन से हर साल बर्बाद होने वाला लाखों टन अनाज बचाया जा सकेगा। वह अनाज भी, जो आंधी, तूफान व बारिश में मंडियों में बर्बाद होता रहा है। यदि किसान अनाज को गोदामों में रोकने की स्थिति में होगा तो वह बाजार की जरूरत के हिसाब से ऊंचे दामों में अपने उत्पाद बेच सकेगा।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

सम्पादक: रवि भारद्वाज (+919999889104)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

भौतिक समुद्र विज्ञानी - भौतिक

विजय गर्ग

भौतिक समुद्र विज्ञानी समुद्र के पानी में होने वाली भौतिक स्थितियों और भौतिक प्रक्रियाओं का अध्ययन और विश्लेषण करने में पेशेवर विशेषज्ञ हैं। सबसे महत्वपूर्ण रूप से समुद्र के पानी की गति और भौतिक गुण। भौतिक समुद्र विज्ञानी तापमान, तरंगों की गति, उनकी प्रगति, घनत्व और धारा के बारे में जानने के लिए भी जिम्मेदार होता है। चूँकि ये गुण सीधे तौर पर मनुष्य के नियमित जीवन से संबंधित होते हैं, जिससे भौतिक समुद्र विज्ञानी समुद्र विज्ञान के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण प्रोफाइलों में से एक बन जाता है। एक भौतिक समुद्र विज्ञानी बनने के लिए, समुद्र के नीचे आवश्यक नियमित पाठ्यक्रम के साथ-साथ कुछ विशिष्ट पाठ्यक्रम लेने होते हैं। भौतिक समुद्र विज्ञानी पात्रता शैक्षणिक योग्यता भौतिक समुद्र विज्ञान में एक कोर्स करने के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता मुख्य विषयों में से एक के रूप में गणित और रसायन विज्ञान के साथ शुद्ध विज्ञान में स्नातक या समुद्र विज्ञान या संबंधित विषयों में स्नातक की डिग्री है। आयु सीमा उम्मीदवार को 17 वर्ष की आयु प्राप्त करनी चाहिए। भौतिक समुद्र विज्ञानी आवश्यक कौशल जैसा कि फिजिकल ओशनोग्राफर का काम लंबे समय तक काम करने की मांग करता है, विषम घंटों में काम करना और वह भी बहुत खतरनाक और शारीरिक रूप से कठिन स्थिति में, इस प्रकार एक सफल फिजिकल ओशनोग्राफर बनने के लिए सबसे आवश्यक कौशल अपने काम के लिए एक मजबूत उत्साह और जुनून है, बहुत मजबूत और निर्धारित मानसिक और शारीरिक स्थिति। भौतिक समुद्र विज्ञानी के पास अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करने के लिए बहुत मजबूत गणितीय कौशल, उत्कृष्ट अवलोकन और व्यावहारिक कौशल, सटीकता और विस्तार पर ध्यान और सभी उत्कृष्ट मौखिक और लिखित संचार कौशल होना चाहिए। फिजिकल ओशनोग्राफर कैसे बनें? एक भौतिक समुद्र विज्ञानी बनने के लिए दिए गए चरणों का पालन करना होगा: स्टेप 1 मुख्य विषय के रूप में भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित के साथ +2 परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद इच्छुक भौतिक समुद्र विज्ञानी को कुछ संबंधित स्नातक पाठ्यक्रम जैसे बी.एससी (समुद्री विज्ञान) में प्रवेश लेना होता है।

रेवड़ी

डॉ. सुरेश कुमार

मुझे घर पर लाया गया। कुछ दिन बीते। एक दिन अचानक मेरी बंजर भूमि के लिए किसान फसल योजना के पैसे मेरे खाते में जमा होने लगे। मैं दिल्ली का किसान हूँ। यहाँ केवल राजनीति नहीं होती। कभी-कभी चमत्कार भी होते हैं। मैंने जीवन में कभी खेती नहीं की। इसलिए बिन उगाई फसल के लिए पैसे मिलने लगे तो किसे खुशी नहीं होगी। मुझे फिर से मुफ्ताटैक का दौरा पड़ने ही वाला था कि बेटे ने आकर बताया कि सरकार ने केवल आधे पैसे जमा किए हैं और आना बाकी है। जैसे-तैसे मैं मुफ्ताटैक से बच पाया। मैं आधार कार्ड से बूढ़ा हो चला हूँ।

इसलिए वृद्ध पेंशन योजना का लाभार्थी हूँ। असलियत में मेरी उम्र कुछ और है। उम्र ऐसी कि मैं कहीं भी नौकरी कर सकता हूँ। लेकिन जब बैठे-बिठाए चार पैसे मिल रहे हों, तो भला कोई नौकरी क्यों करेगा। कभी-कभी मेरा ईमान जाग उठता था। चुल्लू भर पानी में डूब मरने की इच्छा भी होती थी। हाय मैं यह भी न कर सका, क्योंकि सरकार मुफ्त का पानी चुल्लू भर की मात्रा से अधिक देती थी। मैं अपनी इकाई से कम सरकार की इकाई से ज्यादा चलता हूँ। सरकार ने फलाँ इकाई तक बिजली मुफ्त कर दी थी। इसलिए मैंने उस इकाई को कभी पार नहीं की जहाँ मुझे सरकार को एक रुपया भी देना पड़े। कहते हैं मुफ्त की आदत पड़ जाए तो कैंसर और एड्स की बीमारियाँ भी बौने लगने लगती हैं। कभी-कभी तो लगता है कि मुफ्त की फिनाइल पैसे देकर खरीदे गए दूध से भी अधिक मजा देता होगा। मैं जब भी टीवी चलाता हूँ तो एक नई उम्मीद जाग उठती है कि आज सरकार कौनसी मुफ्त योजना लाने जा रही है।

अब मुझे मुफ्तखोरी की आदत पड़ गई है। बीवी-बच्चों को भी मुफ्तभोगी बनने की ट्रेनिंग देता रहता हूँ। वे समझदार हैं। इसीलिए काम की तलाश से ज्यादा मुफ्त स्कीमों की खोज में लगे रहते हैं। मुझे गर्व है कि वे मुझ पर गए हैं। अब तो डॉक्टरों का कहना है कि मुझे मुफ्ताटैक का दौरा नहीं पड़ सकता, क्योंकि उन्होंने मुझे अनंत इच्छाओं की डोज वाली दवा लेने की सलाह जो दी है।

न्यूज फ्लैश

हाईवे पर बस ने पिकअप में मारी टक्कर, दर्जनभर घायल

मथुरा। हरियाणा से कोकिलावन दर्शन के लिए श्रद्धालुओं से भरी पिकअप में रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में एक दर्जन श्रद्धालु घायल हो गए। जिन्हें उपचार दिलाया गया है। पीडित चालक ने रोडवेज बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। घटनाक्रम के अनुसार राहुल पुत्र नाथीराम निवासी खटेसरा, पलवल, जिला हरियाणा अपनी पिकअप से कोकिलावन दर्शनों के लिए जा रहा था। उसमें उसके साथ उसके परिजन एवं रिश्तेदार भी बैठे हुए थे। कोटवन पुलिस चैकी के समीप रोडवेज बस ने पिकअप पिकअप में टक्कर मार दी।दुर्घटना में कर्मवीर, भूपसिंह, मोहन पुत्रगण गिर्राज, इंदरा पत्नी कर्मवीर, प्रीति पत्नी भूपसिंह, ज्ञानवती पत्नी दन्दीर, वंश पुत्र भूपसिंह, पलक पुत्री दन्दीर निवासीगण गांव अलावलपुर, जिला पलवल घायल हो गए। लोगों ने उन्हें निकालकर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया । मामले में राहुल ने रोडवेज बस के अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

जल यात्रा में स्नान करने के बाद भगवान जगन्नाथ हुए अस्वस्थ

मथुरा। वृंदावन की परिक्रमा मार्ग स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में ठाकुर जी को ज्येष्ठ मास की भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए रविवार को एकादश फल और 108 घड़ों के जल से स्नान कराया गया। मंदिर सेवायत स्वामी ज्ञानप्रकाश महाराज ने बताया कि ज्येष्ठ माह की भीषण तपिश झेलने के कारण भगवान को ठंडक प्रदान करने के लिए ज्येष्ठ पूर्णिमा को जल यात्रा सेवा का आयोजन होता है। इसमें विधि विधान से भगवान जगन्नाथ को सहस्र धारा स्नान कराया जाता है। जिससे प्रभु को गर्मी से राहत मिल सके। मान्यता है, कि स्नान के बाद भगवान जगन्नाथ को बुखार चढ़ जाता है और ठाकुर जी अस्वस्थ हो जाते हैं। ज्ञानप्रकाश महाराज ने बताया कि भगवान को स्वस्थ करने के लिए परंपरा के अनुसार उनका जड़ी-बूटी, औषधि और गर्म पदार्थों का ही भोग लगाया जाता है। जिससे प्रभु का उपचार हो सके। तब कहीं जाकर भगवान 15 दिन पश्चात भक्तों को दर्शन देते हैं। स्वस्थ होकर ठाकुर जी रथ पर सवार होकर अपने भक्तों के बीच जाकर भक्तों को दर्शन देते हैं। वहीं उन्होंने बताया कि रथयात्रा महोत्सव इस बार 20 जुलाई को बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। जिसमें भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर अपने भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकलेंगे। वही इस नगर भ्रमण कार्यक्रम में काफी दूर से श्रद्धालु उपस्थित होते हैं। साथ ही पूरे नगर में जगह-जगह पर रथ यात्रा का स्वागत किया जाता है और साथ ही प्रसाद स्वरूपी खानपान की वस्तुएं भक्तों को वितरित की जाती है।

हत्या के प्रयास में वांछित दो दबोचे

मथुरा। हत्या के प्रयास के मुकदमे में वांछित चल रहे दो अभियुक्तों को अवैध असलहा व कारतूस के साथ थाना हाईवे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक थाना हाईवे उमेश चन्द्र त्रिपाठी के मुताबिक निरंजन पुत्र हरी सिंह निवासी महोली थाना हाईवे तथा रवि ठाकुर पुत्र राधेश्याम निवासी गोपालनगर थाना हाईवे को गिरफ्तार किया गया है। रात्रि में चैकिंग के दौरान थाना हाईवे से हत्या के प्रयास के मुकदमे में वांछित चल रहे दोनों अभियुक्तों को सलेमपुर रोड कान्हा माखन स्कूल के पास गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से दो अवैध देशी तमंचा, दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं।

महिला से पर्स लूटने के दो आरोपी पकड़े

मथुरा। थाना वृन्दावन पुलिस ने महिला से पर्स लूटने की घटना में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। तीन जून को रेखा पत्नी मोहन धमेजा निवासी गोल मार्केट जयत सिंगरौली सीधी मध्य प्रदेश हाल निवासी यमुना पैलेस सुनरख रोड वृन्दावन मथुरा ने तीन अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा उनका पर्स छीन लेने के संबंध में अभियोग पंजीकृत कराया था। प्रभारी निरीक्षक थाना वृन्दावन विजय कुमार सिंह के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज की मदद से घटना का खुलासा करते हुए अभियुक्त अजय पुत्र शिवनाथ पाल निवासी ग्राम पुरिया परास घाटमपुर थाना सजैती कानपुर नगर तथा राजू पुत्र रमेश निवासी इकरार थाना शेरगढ़ जनपद मथुरा को गिरफ्तार किया गया। लूटा हुआ एक लेडीज पर्स जिसमें 800 रुपये व एक आधार कार्ड बरामद किये गये हैं।

सपा की महानगर इकाई का हुआ गठन

मथुरा। जनपद में समाजवादी पार्टी संगठन को फिस से मजबूत करने और सुसंगठित करने का प्रयास कर रही है। निकाय चुनाव के बाद महानगर कमेटी का गठन पूरा किया गया है। महानगर अध्यक्ष ऋतु गोयल ने बताया कि उपर से अनुमोदन मिलने के बाद महानगर कमेटी अस्तित्व में आ गई है। महानगर कमेटी के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी मिल गई है। अब संगठन को मजबूत करने और पार्टी की रीति निति को जनता तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उतम पटेल ने मथुरा महानगर कमेटी को गठित किए जाने की मिली मंजूरी के बाद महानगर अध्यक्ष ऋतु गोयल ने उपर भेज दी थी। उनके मुताबिक नई कार्यकारिणी को मंजूरी मिल गई है। कार्यकारिणी में ऋषि कांत अग्निहोत्री, बल्लभ भाई कुशवाहा, हाजी फारूख, नारायण दास यादव, भगवती चतुर्वेदी, अनिल वर्मा को उपाध्यक्ष बनाया है।

एक बार दिया रक्त कई लोगों के चेहरे और जिंदगी में ला सकता है खुशी: देवेंद्र कादियान

तीन जगहों पर लगे स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 292 यूनिट ब्लड एकत्रित, युवाओं के साथ महिलाओं ने उत्साह से किया रक्तदान

टीम एक्शन इंडिया/गन्नौर । समाजसेवी देवेंद्र कादियान ने कहा कि रक्त जिंदगी का सबसे अनमोल रत्न है। एक बार दिया रक्त कई लोगों के चेहरे और जिंदगी में खुशी ला सकता है। रक्त किसी फैक्टरी में नहीं बनता इसलिए रक्तदान करके किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। ये बातें समाजसेवी देवेंद्र कादियान ने ब्लड डोनेशन कैंप में रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए कही। रविवार को अलग-अलग 3 जगहों पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। पहला रेलवे रोड पर स्थित फिटनेस

जिम में प्रांत अध्यक्ष प्रवीन गुप्ता की अध्यक्षता में महान स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर जी की जयंती के उपलक्ष्य में भाविप वीर सावरकर शाखा गन्नौर व फिटनेस जिम में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 102 यूनिट ब्लड और दूसरा पुगथला के दादा अभय सिंह देवता मंदिर परिसर में शहीद भगत सिंह खेल स्टेडियम व ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित दूसरा विशाल रक्तदान शिविर में बीपीएस खानपुर से सेहत कर्मियों ने करीब 70 यूनिट ब्लड इकट्ठा किया। तीसरा अगवानपुर गांव के राजकीय स्कूल परिसर में फाउंडेशन एवं ग्राम पंचायत अगवानपुर ने संयुक्त रूप से ब्लड डोनेशन कैंप लगाया।

इसमें 120 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया। दोनों जगहों पर मन्नत ग्रुप ऑफ होटल्स के चेयरमैन एवं समाजसेवी देवेंद्र कादियान ने बतौर मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत की और रिबन काटकर कैंप का शुभारंभ किया। आयोजकों ने उनका बुके भेंट कर स्वागत किया। रक्तदान शिविरों में युवाओं के साथ महिला व लड़कियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। शिविर में रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर उनका मनोबल बढ़ाया गया और उनका उत्साह वर्धन किया गया। इस मौके पर प्रांत उपाध्यक्ष संस्कार प्रवीन सिंघल, मंजू भूटानी, मंजू शर्मा, मोनिका गुजराल, पूनम सिंघल, पिटर त्यागी, भारत भूषण भुटानी, मोहन शर्मा, अमरीश त्यागी, आशा सिंघल, शशिकांत शर्मा, भारतीय सेना के सूबेदार एलबी आनंदा, सरपंच मंजीत कुमार, पंच संदीप, रमेश कुमार, यशपाल बजाना, सारिका कालरा, कुलदीप, अमित मलिक, काउंसलर बिजेंद्र कुमार, वर्षा आदि मौजूद रहीं।

सावधान: इन संस्थाओं में न लें दाखिला, किया गया है ब्लैक लिस्ट

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा। जनपद के 58 आईटीआई को ब्लेक लिस्ट किया गया है। छात्र छात्राएं किसी झांसे में न आएं और इन आईटीआई में दाखिला न लें। यह कार्यवाही 22 करोड़ से अधिक के छात्रवृत्ति घोटाले में इन संस्थाओं के खिलाफ की गई है। जनपद की ब्लैक लिस्ट की गई संस्थाओं के खिलाफ एफआईआर पूर्व में ही दर्ज कराई जा चुकी है। निदेशालय समाज कल्याण विभाग की ओर से जिला समाज कल्याण अधिकारी नगेन्द्र पाल सिंह को दो जनू को जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि काली सूची में दर्ज जनपद के 45 निजी तथा 13 अन्य शिक्षण संस्थाओं ब्लैक लिस्ट आर्डर प्राप्त कराये जाएं और निदेशक पवन कुमार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि इन 58 शिक्षण संस्थाओं को जारी ब्लैक लिस्ट आर्डर की छाया प्रति संलग्न कर इस निर्देश के साथ प्रेषित है कि इन शिक्षण संस्थाओं को ब्लैक लिस्ट ऑर्डर की छाया प्रति प्राप्त कराते हुए प्राप्ति रसीद को प्रत्येक दिशा में आठ जून 2023 तक अनिवार्यत: उपलब्ध करान सुनिश्चित करें। जिन आईटीआई और अन्य संस्थाओं को ब्लैक लिस्ट किया गया है उनमें राजवीर सिंह सिकरवार प्राइवेट आईटीआई सैंदपुर बल्देव, पंडित एनआर प्राइवेट आईटीआई अडूकी, गोपाल प्राइवेट आईटीआई छोरोरा, एचपीआरए प्राइवेट आईटीआई मडोरा बल्देव, एसआरएल प्राइवेट आईटीआई पंडवा मांट, एसजीएस प्राइवेट आईटीआई जाजम पट्टी, जेएस प्राइवेट आईटीआई आमेरपुर बल्देव, श्रीमती धर्मवती भेडजीत सिंह प्राइवेट आईटीआई बरौली बल्देव महावन, चंदनवन प्राइवेट आईटीआई भरतपुर, जी सिटी प्राइवेट आईटीआई नटवर नगर, केशव देव प्राइवेट आईटीआई लोरिहा पट्टी सौंख, रतन प्राइवेट आईटीआई महावन, श्री हरदम सिंह वैदिक प्राइवेट आईटीआई नूरपुर महावन, श्रीमती विमला देवी प्राइवेट आईटीआई भदर सौंख गोवर्धन, बाबा हरचंद सिंह प्राइवेट आईटीआई पवन कुंज, लोटस प्राइवेट आईटीआई कोसीखुर्द शामिल है।

कांग्रेस का लगातार बढ रहा ग्राफ, बनेगी कांग्रेस की सरकार: अशोक अरोड़ा

टीम एक्शन इण्डिया/कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक)
हरियाणा के पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा ने कहा कि देश व प्रदेश में लगातार कांग्रेस का ग्राफ बढता जा रहा है। आगामी लोकसभा चुनाव में जहां देश में कांग्रेस की सरकार बनेगी वहीं प्रदेश में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनेगी। वे सेक्टर 3 में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। यहां पहुंचने पर पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा को फूल मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। कांग्रेस नेता ने कहा कि आज देश की जनता महंगाई की मार से परेशान है। प्रदेश में युवाओं के लिए रोजगार उपलब्ध नही है। रोजगार न मिलने के कारण युवा वर्ग कॉलेज में दाखिला लेने की बजाए विदेशों की ओर रूख कर रहे हैं। ऐसे में देश की युवा शक्ति विदेशों की ओर जाने को अग्रसर है लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार युवाओं को रोजगार के कोई अवसर उपलब्ध करवाने में नाकाम साबित हुई है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा देश में बनाए गए नफरत के माहौल को दूर करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश में भारत जोड़ो यात्रा निकाली ताकि देश के लोगों को असलियत पता चल सके।

पशु पैंठ में चेयरमैन ने पकडी कर चोरी, जारी की चेतावनी

मथुरा। आर्थिक तंगी से जूझ रही नगर पालिका कोसीकलां की हालत सुधारने को पालिकाध्यक्ष की नजर कमाई के स्त्रोतों पर है। पशु पैंठ पालिका की आय का मुख्य बिंदु है। जहां कर चोरी के चलते हालात चैपट हैं। रविवार को पालिकाध्यक्ष ने कर चोरी को रोकने के लिए मोर्चा संभाला और छापामार कार्रवाई करते हुए आधा दर्जन से अधिक वाहन कर चोरी कर जाते मिले। पालिका कर्मियों से लेकर वाहन स्वामियों तक को चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में ऐसा हुआ तो पालिका सीधे मुकदमा दर्ज कराएगी। रविवार की दोपहर को पशु पैंठ के दौरान अचानक उस समय अफरातफरी मच गई जब चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल ने कर चोरी करते हुए पशुओं से लदे कई वाहन पकड लिए।

विश्व साइकिल दिवस पर चलाई 100 किलोमीटर साइकिल

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत
विश्व साइकिल दिवस पर युवा गौरव दहिया ने 100 किलोमीटर साइकिल चलाकर युवाओं को साइकिल चलाने के प्रति प्रेरित करने का प्रयास किया। इस अवसर पर डॉक्टर अनुराग अरोड़ा ने युवा को हेलमेट देकर उसका मनोबल बढ़ाते हुए साइकिल चलाने के लाभों के बारे में लोगो को जागरूक करते हुए कहा साइकिल चलाना परिवहन का एक स्वस्थ, टिकाऊ और किफायती रूप है। यह शारीरिक फिटनेस में सुधार, वायु प्रदूषण और यातायात की भीड़ को कम करने और सामाजिक समावेश को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। उन्होने ने कहा

पहले के समय में ज्यादातर लोग या तो पैदल चलते थे या साइकिल का इस्तेमाल किया करते थे. इसके कारण उनकी फिजिकल एक्टिविटी होती रहती थी और वे शारीरिक रूप से फिट रहते थे।
लेकिन जैसे-जैसे शहरीकरण बढ़ा, साइकिल का चलन भी काफी कम हो गया। आज के समय में ज्यादातर लोगों के पास बाइक, स्कूटर या कार होती है, थोड़ी सी दूरी तय करने के लिए भी लोग इन व्हीकल्स का इस्तेमाल करते है। व्हीकल के ज्यादा इस्तेमाल ने पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाया और लोगों की सेहत को भी।

'धार्मिक सामाजिक आयोजनों से समाज में बढ़ता है आपसी भाईचारा'

जेष्ठ मास की पूर्णमासी को बहादुरगढ़ क्षेत्र में आयोजित विभिन्न गांवों के भंडार व धार्मिक सामाजिक आयोजनों में समाजसेवी राजेश जून ने की शिरकत

टीम एक्शन इंडिया/सिद्धार्थ राव, सिद्धार्थ राव, बहादुरगढ़
ग्रामदेवता कुलदेवता और देवी माई हमारी भारतीय संस्कृति के वाहक हैं इनकी पूजा-अर्चना से गांव में सुख शांति और भाईचारा बढ़ता है आपसी एकता मजबूत होती है , एक दूसरे से मिलकर कुशल क्षेम जानने का अवसर भी मिलता है, उपरोक्त शब्द बहादुरगढ़ हल्के से वरिष्ठ कांग्रेसी नेता व आरजे अस्पताल के निदेशक समाजसेवी राजेश जून ने खेड़ी जसोर गांव में हर श्रंगी मां देवी माई मंदिर में आयोजित देसी घी के भंडारे में कहें।

गांव जसोर खेड़ी में सभी ग्राम वासियों के सहयोग से आयोजित माता श्रंगी देवी मंदिर के भंडारे में पहुंचे राजेश जून का ग्राम वासियों ने जोरदार स्वागत व अभिनंदन किया। राजेश जून ने ग्रामवासियों के साथ भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया व देवी माता के मंदिर में माथा टेककर क्षेत्र की सुख-समृद्धि व मंगल कामना की प्रार्थना की । लडरावन गांव में आयोजित भंडारे में पहुंचकर राजेश जून ने ग्राम वासियों से मुलाकात की , साथ ही बामनोली गांव में रस्म तेरहवीं में पहुंचकर दिवंगत आत्मा को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। बामडोली रंढाला गढी भंडारे में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। रोशनलाल जून के परिवार में बेटी के जन्म पर आयोजित कुआं पूजन कार्यक्रम में भी शिरकत की , डाबोदा कलां मेहंदीपुर गांव में भंडारे में पहुंचे। इसररेडी गांव में भंडारे के साथ-साथ खैरपुर मांडोठी में आयोजित विभिन्न गांवो में ग्राम वासियों के सहयोग से आयोजित धार्मिक सामाजिक आयोजनो व भंडारे में पहुंचकर राजेश जून ने प्रसाद ग्रहण किया व क्षेत्र के लोगों से मुलाकात की साथ ही बामडौली गांव में गृह प्रवेश के अवसर पर पहुंचकर परिवार को अपनी ओर से बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की। हल्का बहादुरगढ़ के विभिन्न गांवो में आयोजित भंडारों व धार्मिक सामाजिक अनुष्ठानों में पहुंचे राजेश जून का ग्राम वासियों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत व अभिनंदन किया।

फसल ऋण पर ब्याज वसूली बंद करें सरकार: नफे सिंह राठी, इनेलो प्रदेशाध्यक्ष

टीम एक्शन इंडिया/सिद्धार्थ राव, बहादुरगढ़
बेमौसमी बरसात व ओलावृष्टि से बर्बाद हुई फसल से किसान पहले ही परेशान था उसके ऊपर से सरकार ने इस बार फसल ऋण पर दोबारा से ब्याज वसूली शुरू कर दी है। जिस कारण किसानों पर आर्थिक रुप से दोहरी मार पड़ी है। किसानों से सामने इस दोहरी मार से आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। यह कहना है इंडियन नेशनल लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष नफे सिंह राठी का। पत्रकारों से बातचीत करते हुए इनेलो प्रदेशाध्यक्ष नफे सिंह राठी ने कहा कि सहकारी बैंकों से किसानों ने जो फसल ऋण लिया हुआ था। उस पर ब्याज माफी की योजना चली आ रही थी। लेकिन इस बार सरकार ने फसल ऋण पर ब्याज माफी योजना रिन्यू नहीं की है और किसानों से फसल ऋण पर ब्याज वसूलना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि किसान पहले की बेमौसमी बरसात व ओलावृष्टि के कारण आर्थिक नुकसान झेल रहे थे उसके ऊपर सरकार ने फसल ऋण पर ब्याज वसूलना शुरू कर दिया। जिससे अब किसानों पर दोहरी मार पड़ रही है। उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार बिना देरी के इस योजना को रिन्यू करे और जिन किसानों से ब्याज की वसूली हुई है। उन्हें तुरंत प्रभाव से वापस किया जाए।

वृंदावन पहुंच रहे रिकॉर्ड तोड़ श्रद्धालु, व्यवस्थाएं सिकुड़ी

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा। रविवार और पूर्णिमा यानी वृंदावन में श्रद्धालुओं की भीड उमड आना सुनिश्चित था। भीडभाड देख कर दुकानदारों के चेहरे खिल जाते हैं लेकिन वृंदावन में इसका उलट देखने को मिल रहा है। यहां दुकानदार अधिक भीड का रोना रो रहे हैं और अव्यवस्था का ठीकरा प्रशासन के सिर फोड़ रहे हैं। कान्हा की नगरी श्री धाम वृंदावन में स्थित ठाकुर श्री बाकि बिहारी मंदिर में प्रशासन के द्वारा कई बार भीड़ नियंत्रण को लेकर व्यवस्था तैयार की गई है, लेकिन श्रद्धालुओं की आने वाली भीड़ के दबाव के चलते प्रशासन की हर व्यवस्थाएं मंदिर परिसर में फेल नजर आ रही हैं। जिसके बाद प्रशासन ने सख्त रवैया अपनाते हुए भीड़ नियंत्रण को लेकर कई व्यवस्थाएं तैयार की थी, लेकिन ठाकुर बांके बिहारी लाल के भक्त वीकेंड और त्योहारों के समय पर आकर प्रशासन की तमाम व्यवस्थाओं की पोल खोल देते हैं।

योग शिविर में साधकों ने किया आसन, ध्यान साधना

टीम एक्शन इण्डिया/कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक) भारतीय योग संस्थान पंजीकृत की हरियाणा प्रांत इकाई के कुरुक्षेत्र जिला के अंतर्गत अर्जुन योग जिला द्वारा गांव कसेरला में आयोजित सात दिवसीय 'योग द्वारा मोटापा व अन्य रोग निवारण शिविर' के चौथे दिन आज संस्थान की हरियाणा प्रांत इकाई के प्रेस प्रवक्ता गुलशन कुमार ग्रोवर एवं अर्जुन जिला प्रधान मनीराम सैनी द्वारा साधकों को सूक्ष्म क्रियाएं, गहरे लंबे श्वास, ओम ध्वनि, सूर्य नमस्कार, सहित विभिन्न योगासनों, प्राणायाम व ध्यान

साधना का अभ्यास करवाया गया । उपस्थित साधक साधिकाओं को गायत्री मंत्र व संस्थान की वैदिक प्रार्थना का अर्थ समझाया गया । सूर्य नमस्कार, योगासनों व प्राणायाम के साथ-साथ साधकों ने शवासन व ध्यान साधना में भी पूरी रुचि दिखाई । सभी साधकों ने मन से हँसी की क्रिया की । योग साधना के प्रति बच्चों का रुझान भी बहुत अच्छा रहा । अधिकतर साधक साधिकाओं ने इस शिविर को बहुत उपयोगी मानते हुए पूरे उत्साह व अंतर्मन से इसमें भाग लिया । विशेष बात यह रही कि कसेरला गांव के ही युवा साधक शुभम तथा युवा साधिका सुमन ने पूरे आत्मविश्वास के साथ साधकों को एक एक आसन करवाया और कल दो दो योगासनों का अभ्यास करवाने की पेशकश की । संस्थान के प्रांतीय प्रैस प्रवक्ता गुलशन कुमार ग्रोवर ने उपस्थित साधक साधिकाओं को बताया कि सात दिवसीय शिविर के पश्चात गांव में भारतीय योग संस्थान का नियमित योग साधना केंद्र खोल दिया जाएगा क्योंकि गांव के सरपंच, सभी पंच व साधक तथा विद्यार्थी योग में पूरी रुचि ले रहे हैं ।

'पेड़-पौधे लगाकर भूलना नहीं देखभाल करना भी जिम्मेदारी'

टीम एक्शन इंडिया/सिद्धार्थ राव, गुरुग्राम
विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रविवार को ऑल स्किल एंड रिसर्च फॉउंडेशन की ओर से सेक्टर-4 स्थित शिव पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। फाउंडेशन के अध्यक्ष एमपी शर्मा, वीरेंद्र व उनकी टीम द्वारा नवीन गोयल का स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नवीन गोयल ने उन महिलाओं को सम्मानित किया, जिन्होंने स्वयं सहायता ग्रुप के माध्यम से अलग-अलग क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं। नवीन गोयल ने कहा कि

मुख्यमंत्री मनोहर लाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, भाजपा हरियाणा प्रभारी बिप्लब कुमार देब, पूर्व सांसद डा. सुधा यादव के मार्गदर्शन में वे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काम कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण विभाग की ओर से गुरुग्राम समेत पूरे हरियाणा में वृक्षारोपण पर काम होता है, ताकि

नवीन गोयल ने बच्चों से कहा कि वे योग और प्राणायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं

हर क्षेत्र में पर्यावरण की खराबी को सुधारा जा सके। उन्होंने कहा कि पर्यावरण हम सभी के जीवन से जुड़ा विषय है। जीरो से उम्रदराज व्यक्ति के लिए स्वच्छ पर्यावरण जरूरी है। बीमारियों से अगर हमें बचना है तो अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखना होगा। अधिक से अधिक पेड़ लगाकर हरियाली बढ़ाएं। शिव विहार पॉकेट के बच्चों के द्वारा फिट इंडिया की मुहिम के तहत एक साइकिल रैली भी निकाली गई। इस रैली में नवीन गोयल ने स्वयं भी साइकिल चलाकर लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरुक किया। इस अवसर पर नवीन गोयल ने गुरुग्राम में पर्यावरण संरक्षण के प्रति आगे आने के लिए लोगों से अपील की। नवीन गोयल ने बच्चों से कहा कि वे योग और प्राणायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। नियमित तौर पर योग करके खुद को फिट रखें। बचपन से ही अगर यह आदत हो गई तो उनका जीवन निरोगी हो सकता है। इस दौरान पर शिव विहार पॉकेट के प्रधान जगदीश मेहता, प्रवीन मिश्रा, रवि कंबोज, संजीव बंसल, डॉ. सतीश धमार्णी, डॉ. विनोद धमार्णी, नीरज मेहता, दीपाली, सुशील गौड़, बबीता खंडेलवाल व अन्य जन उपस्थित रहे।

पांच साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

टीम एक्शन इण्डिया/ कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक) जिला पुलिस कुरुक्षेत्र ने पांच साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है । अपराध अन्वेषण शाखा-2 व थाना शहर पेहवा पुलिस ने पांच साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी विक्रम उर्फ विक्की पुत्र रामपाल वासी भागल जिला कैथल को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है प्रेस को जानकारी देते हुए उप पुलिस अधीक्षक रजत गुलिया ने बताया कि थाना शहर में दी अपनी शिकायत में शहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत रहने वाली एक

महिला ने बताया कि वह घरेलू कार्य करती है। दिनांक 2 जून 2023 को सुबह उसकी पांच साल की बेटी खेलने के लिए गली में गई थी । सुबह 11 बजे तक जब लड़की वापस नहीं आई तो पता चला कि एक नाबालिग लड़की को पुलिस वाले घायल अवस्था में हस्पताल ले गई है। वह पुलिस के साथ एलएनजेपी हस्पताल पहुंची जहाँ पर डॉक्टर ने बताया कि उसकी लड़की के साथ किसी ने दुष्कर्म किया है।

ज्ञान गंगा –आचार्य सुदर्शन

खुद के दोस्त बनें हम

हमारा देश एक धर्म प्रधान देश है। यही वजह है कि यहां युगों से धर्म की धारा बहती रही है। यहां के धर्मप्राण लोग इसमें डुबकी लगाकर अपना इहलोक और परलोक सुधारते हैं। यदि ध्यान से देखें तो प्राचीनकाल से लेकर अब तक यहां के धर्मप्राण लोगों ने संपूर्ण जीवन को आध्यात्मिक दृष्टि से ही समझने का प्रयास किया है। उदाहरण के लिए आप किसी शहरी श्रमिक को श्रम करते हुए देखें या गांव में हल चलाते किसी हलवाहे को और आप उनसे बात करें तो वह भी बस यही कहते हुए मिलेंगे कि इस जीवन का क्या ठिकाना ? आज है, कल नहीं, फिर काहे की चिंता आदि। इस प्रकार यदि देखें तो यहां के लोगों में आध्यात्मिक दृष्टि इस कदर समा चुकी है कि वे बचपन से लेकर जवानी तक और जवानी से लेकर वृद्धावस्था तक केवल और केवल अध्यात्म की बातें करते रहते हैं। ऐसा करके वे अपना इहलोक और परलोक, दोनों सुधार लेना चाहते हैं।

एक गांव की बात है। एक संत वहां के मंदिर में बैठकर पूजा-अर्चना कर रहे थे। वे साधना में ऐसे लीन हो गए कि शाम हो गई और अंधेरा छाने लगा। तभी एक छोटा बच्चा उस मंदिर में आया। उसने जेब से माचिस निकालकर मंदिर में रखे दीपक को जला दिया। मंदिर में प्रकाश देखकर संत ने बच्चे से पूछा, बेटा! यह बताओ कि यहां प्रकाश कहां से आ गया ? बच्चे को कोई उत्तर नहीं सूझा, इसलिए उसने फूंक मारकर दीपक बुझा दिया और संत से कहा, हे महात्मन! वह प्रकाश जहां से आया था, वहीं चला गया। संत हतप्रभ रह गए और उन्हें यह समझते देर नहीं लगी कि यह छोटा बच्चा भी मानता है कि सृष्टि में उस परमात्मा की ही शक्ति है जिसने इसकी रचना की है। उस दीपक के प्रकाश की तरह आप सब भी वहीं वापस चले जाएंगे, जहां से आए हैं। प्रभु का स्मरण करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करें।

खबरें जरा हटके

जमीन पर बिछे मिले एक अरब के नोट, नहीं कर सकते खर्च

नई दिल्ली। सड़क पर अगर एक भी नोट गिरा हुआ मिलता है तो हम उसे उठाने में जरा सी भी देर नहीं करते, सोचिए अगर आपको सड़क पर अरबों रुपए बिछे हुए मिल जाएं तो। शायद आप ये ही नहीं सोच पाएंगे कि इतने सारे रुपयों को अपने साथ कैसे लेकर जाएं। हाल ही रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में एक समूह को एक दलदली उजाड़ जगह पर एक अरब रूबल के नोट मिले।
वर्तमान एक्सचेंज रेट के अनुसार इन नोटों की भारतीय मुद्रा में कीमत 113 करोड़ रुपए बनती है, लेकिन खोजने वालों को इन नोटों को खर्च करने की अनुमति नहीं है। पूर्व सोवियत संघ के दौर के ये नोट अब ये चलन से बाहर हो चुके हैं। यह जगह राजधानी मॉस्को से 160 किलोमीटर दूर, व्लादिमीर क्षेत्र में है। यह एक पुरानी खदान है, जहां सोवियत संघ के दौर में मिसाइलें रखी जाती थीं। ग्रुप ने अफवाह सुनी थी कि उस इलाके में काफी पैसा दबा है, इसलिए वह वहां खोजबीन के लिए गया था।
यह जानकारी सामने आते ही देशभर के मीडिया में चर्चाएं होने लगीं। पुरातत्व विभाग के अफसरों ने जांच करने के बाद बताया कि ये नोट सोवियत संघ के दौर के हैं। उन्हें वर्ष 1961 से 1991 के बीच जारी किया गया था। हालांकि, अब उन नोटों की कोई कीमत नहीं है। ये लगभग एक अरब रूबल के नोट हैं। कुछ विशेषज्ञों ने बताया कि ये नोट जिस जगह पर मिले हैं, वहां कभी मिसाइलें रखी जाती थीं। हालांकि, अब उस जगह की पहचान खदान के तौर पर है। एक अनुमान यह भी है कि कुछ वर्ष पहले वहां बाढ़ आई थी, उसी में ये नोट बहकर खदान तक पहुंच गए होंगे।
स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस खदान के पास नोट मिले हैं, वहां आसपास कोई रहने की हिम्मत नहीं करता। उस जगह पर कभी सोवियत संघ का बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम चलता था। उसके कारण पूरा क्षेत्र रेडिएशन से प्रभावित है। एक अफसर ने बताया कि सोवियत दौर में 100 रूबल वाला वेतन भी बहुत अच्छा समझा जाता था। तब इतने नोट किसके पास रहे और उन्हें इस तरह क्यों छोड़ दिया गया, यह कोई नहीं जानता।

इस चर्च में रोबोट देता है आशीर्वाद, पढ़ता है बाइबल

नई दिल्ली। आप चर्च गए हों तो देखा होगा कि वहां प्रेयर्स से लेकर बाइबल पढ़ने और आशीर्वाद देने का काम पादरी करते हैं। जिस तरह मंदिर में पंडित जी का खास स्थान होता है, उसी तरह चर्च में पादरी को देखा जाता है। हालांकि आप जर्मनी के एक चर्च के बारे में सुनकर हैरान रह जाएंगे। इस चर्च में पादरी नहीं है, बल्कि उनकी जगह एक रोबोट है। ब्लेस यू-2 नाम का यह रोबोट बाकायदा हाथों से आशीर्वाद देता है और उसके हाथों से रोशनी भी निकलती है।

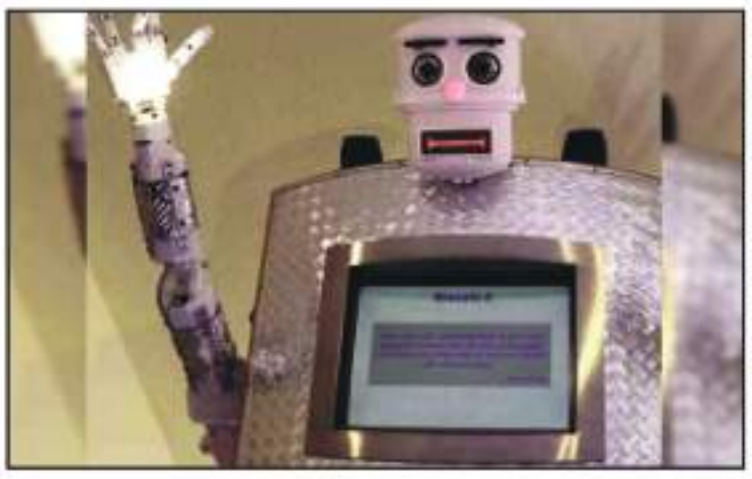

इस रोबोट को विटेनबर्ग में लॉन्च किया गया है। जर्मन पादरी मार्टिन लूथर की द नाइंटी फाइव थीसिस के प्रकाशन के 500 साल पूरे होने के मौके पर इस रोबोट को लॉन्च किया गया। चर्च के मुताबिक लोगों को आशीर्वाद देने से पहले रोबोट उनसे पूछता है कि वे पुरुष की आवाज में आशीर्वाद चाहते हैं या महिला की आवाज में। वह इसके बाद यह भी पूछता है कि उन्हें किस तरह का आशीर्वाद चाहिए।
जिस तरह से व्यक्ति इच्छा जताता है, उस तरह से ये रोबोट मुस्कुराते हुए बाहें फैला देता है और आशीर्वाद देता है। यह बाइबिल की पंक्तियां भी पढ़ता है -ईश्वर तुम्हें आशीर्वाद दें और तुम्हारी रक्षा करें।

सेहत

इन घरेलू उपायों को बनाएं शरीर का सुरक्षा कवच

डिहाइड्रेशन, सिरदर्द, लू लगना और मसूड़ों की तकलीफ ऐसी समस्याएं हैं जो आए दिन हर किसी को परेशान करती हैं। घरेलू उपायों के सुरक्षा कवच से इन रोगों से आसानी से लड़ा जा सकता है। तेज धूप की वजह से सिरदर्द हो तो लौकी का गूदा निकालकर पीस लें और माथे पर लेप करें, तुरंत आराम मिलेगा।
एक चम्मच सौंफ रात को एक गिलास पानी में भिगो दें। सुबह इसी पानी में सौंफ को मसलने के बाद छानकर थोड़ी चीनी मिलाकर पिएं, शरीर को ठंडक मिलेगी। 25 ग्राम गुलाब के फूल, मिश्री, सौंफ और वंशलोचन (तीनों 10 ग्राम) को पीसकर पाउडर बना लें। सुबह और शाम पानी के साथ आधा चम्मच पाउडर लेने से फोड़े, फुंसी, दाद और खुजली में लाभ होगा।
गुलकंद को एक चम्मच की मात्रा में रात को गुनगुने पानी या दूध के साथ खाने से कब्ज, गर्मी, मुंह के छाले और रक्तसंचार दुरुस्त होता है। दो टमाटर को काली मिर्च के साथ पीस लें। भोजन करने से पहले इसे खाने से पेट में कीड़ों की समस्या दूर होती है। नमक व सरसों का तेल मिलाकर मंजन करने से मसूड़े मजबूत होते हैं।
लू लगने पर प्याज को सलाद के रूप में और कैरी (कच्चा आम) को सब्जी या पना बनाकर प्रयोग करें। बिच्छू या मधुमक्खी के काटने पर प्याज का रस व नौसादर मिलाकर लगाने से जहर दूर होता है और दर्द में आराम मिलता है। दाद, खाज जैसे त्वचा रोगों में कच्चे पपीते का दूध लाभकारी होता है। हरड़ और पीपल के चूर्ण को बराबर मात्रा में तुलसी के रस के साथ पीने से खांसी में आराम मिलता है। सिरदर्द में लौंग पीसकर माथे पर लेप करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठ बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को ह)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान रहेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का महत्व लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्यवहारी सिद्ध होगा। भातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

लॉफिंग ज़ोन

सर्किट- भाई, बापू ने बोला था कि कभी झूठ नही बोलना मंगता है, अपून आज से कभी झूठ नही बोलुंगा भाई।
मुन्ना भाई- ? सर्किट, वो सुनिता का बाप आया है तेरे को ढूंढ रहा है
सर्किट- भाई उसको बोलो अपून गांव गया है, खेती करने को।
मुन्ना भाई- पर सर्किट अभी तो तू बोल रहा था कि कभी झूठ नही बोलेगा
सर्किट- भाई, अपून झूठ नही बोलेगा, पर तुम तो बोल सकता है, ना भाई।

अजीत- माइकल इसके एक हाथ में लाल और दूसरे हाथ में हरा रंग लगा दो।
माइकल- लेकिन क्यो बॉस ?
अजीत- बेवकूफ, इतना भी नही जानते, जब पुलिस आएंगी तो उसे रंगे हाथो पकड लेगी।

एक चोर को चोरी के जुर्म में जीप में बैठाकर जेल ले जाया जा रहा था। वह बहुत खुश था।
सिपाही ने चोर से पूछा- तुम इतने खुश क्यों हो ?
चोर ने कहा- आज मैं पहली बार जीप में बैठा हूं।

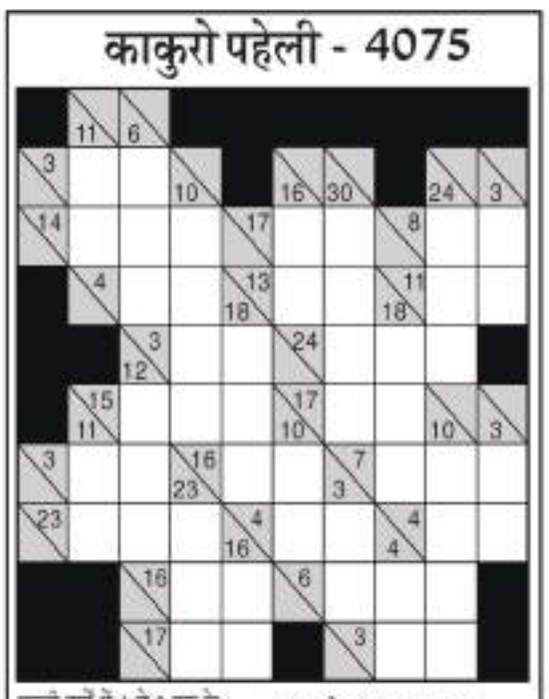

काकुरो पहेली - 4075

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणार्थ:

काकुरो 4074 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 4075

बायें से दायें:-
१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, रीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव यू से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा मांगत' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सदा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर एक लव पर है' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरुख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-३
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२. 'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारिक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिश्मा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. विनोद, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-
१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, रोमी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले में चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरी ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश में और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, कविता की फिल्म-२
१४. सुनील दत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'आज सन में' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फराह की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम से प्यार हो सकता' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी में खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेन्द्र, फराह, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दोनों रंग दोनों' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4074

सूडोकु -4075

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4074 हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

शब्द पहेली - 4075

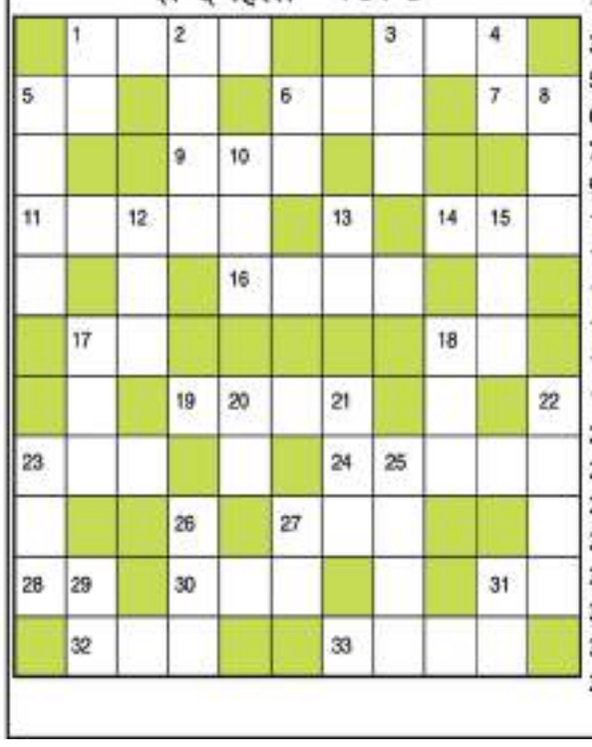

बाएं से दाएं
1.मूर्ख,बुद्धिहीन-4
3.रुई की फसल-3
5.वंश,खानदान-2
6.आह,पीड़ा भरी ध्वनि-3
7.जी,इच्छा,चित्त-2
9.पहनना-3
11.दास,नौकर,सेवक-5
14.अग्नि,आग-3
16.चयनित,स्वीकृत-4
17.जाति,संप्रदाय-2
18.उस समय-2
19.आदत,व्यवहार-4
23.माला का मोती-3
24.लालन-पालन-5
27.पूर्णिमा-3
28.वश,अधीन-2
30.खबर देने वाला-3
31.खदान,माइन-2
32.आश्रय,पनाह-3
33.संपत्ति-4

ऊपर से नीचे
1.घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2.धारा के बीच में,अधर में-2,2
3.आफत,आपदा-3
4.एक समान-2
5.गृहपति,चांसलर-4
6.दाना-2
8.प्रतिकृति,प्रतिरूप-3
10.रोकर धनराशि-3
12.प्रेम ,आसक्ति-3
13.नीर,जल-2
15.भाग्य,तकदीर-3
17.बंबुल,जांच-3
18.टेंशन,परेशानी-3
20.काया,बदन-2
21.उष्णता-3
22.नाश होने योग्य-4
23.साम्राज्ञी,रानी-3
25.रमण करने योग्य-4
26.अदा,चोंचला-3
27.पुड़ी,गोलगप्पा-2
29.पिता की बहन-2
31.उर्वरक,गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली -4074 का हल

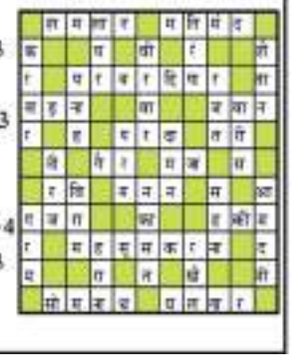

भारतीय क्रिकेटर रुतुराज गायकवाड़ ने गर्लफ्रेंड उत्कर्षा पवार से की शादी

लंदन। भारत और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ ने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड उत्कर्षा पवार से शादी कर ली है। ये कपल महाराष्ट्र के महाबलेश्वर में शादी के बंधन में बंधा। 30 वर्षीय क्रिकेटर ने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की तस्वीरें साझा कीं और इसे कैप्शन दिया, 'पिच से वेदी तक, हमारी यात्रा शुरू!' गायकवाड़ के सीएसके टीम के कुछ साथी- शिवम दुबे और प्रशांत सोलंकी शादी समारोह में उपस्थित थे। देवदत्त पडिक्कल और रजत पाटीदार जैसे अन्य खिलाड़ियों ने इंस्टाग्राम पर युगल को बधाई दी है। गायकवाड़ को 7-11 जून के बीच द ओवल में खेले जाने वाले आगामी भारत-ऑस्ट्रेलिया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए स्टैंडबाय खिलाड़ियों में से एक चुना गया था, लेकिन शादी के कारण उन्होंने बीसीसीआई को अपनी अनुपलब्धता की सूचना दी। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को खेल के लिए उनके प्रतिस्थापन के रूप में नामित किया गया था। गायकवाड़ ने सीएसके के लिए 2023 सीजन में 147.50 के स्ट्राइक रेट से 16 मैचों में 590 रन बनाए और इस हफ्ते तीन साल में टीम की दूसरी खिताबी जीत दर्ज की। फाइनल में गायकवाड़ ने 16 गेंदों पर 26 रन बनाए क्योंकि उनकी टीम ने 15 ओवर में 171 रनों का पीछा करते हुए रोमांचक अंदाज में खिताब जीता।

एम्बाप्पे का फ्रांसीसी लीग में दबदबा कायम, रिकॉर्ड पांचवी बार जीता गोल्डन बूट

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के स्ट्राइकर काइलियन एम्बाप्पे ने फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में अपना दबदबा कायम रखते हुए रिकॉर्ड पांचवी बार गोल्डन बूट (प्रतियोगिता में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी को मिलने वाला पुरस्कार) हासिल किया। पीएसजी की टीम इस मैच में क्लेरमोंट से 3-2 से हार गई लेकिन एम्बाप्पे ने इसमें गोल दागा। इससे एम्बाप्पे ने 29 गोल के साथ फ्रांसीसी लीग में अपने अभियान का अंत किया। यह पांचवा अवसर है जबकि उन्होंने लीग में सर्वाधिक गोल किए। एम्बाप्पे ने इससे फ्रांस के जीन पियरे पापिन और अर्जेंटीना के स्ट्राइकर कार्लोस बियांची और डेलियो ओनिस के रिकॉर्ड की बराबरी की। पीएसजी पहले ही खिताब अपने नाम सुरक्षित कर चुका था। उसने और दूसरे स्थान की टीम लेंस ने चैंपियंस लीग के अगले सत्र के ग्रुप चरण के लिए क्वालीफाई किया।

जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में हासिल की बड़ी उपलब्धि, ऐसा करने वाले दूसरे बल्लेबाज बने

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। रूट क्रिकेट के सबसे लम्बे प्रारूप में 11,000 रन बनाने वाले दूसरे इंग्लिश बल्लेबाज बन गए हैं। टेस्ट प्रारूप में रूट ने यह कमाल आयरलैंड के खिलाफ मैच में किया जहां उन्होंने 56 (59) रन बनाए और दूसरे दिन एक मजबूत साझेदारी बनाकर इंग्लैंड को जीत हासिल करने की दिशा में एक कदम और करीब ले गए। रूट से अधिक रन बनाने वाला एकमात्र इंग्लिश बल्लेबाज पूर्व इंग्लिश कप्तान एलिस्टेयर कुक है। कुक को टेस्ट प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। 12 साल से अधिक के अपने करियर में बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 161 मैचों में 45.35 की औसत से 12,472 रन बनाए। रूट इंग्लैंड के लिए टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने से 1,468 रन दूर हैं। रूट ने 130 मैचो में 50.24 की औसत से 11,004 रन बनाए हैं। उनकी 56 रन की पारी इंग्लैंड के बल्लेबाजों के प्रभावी प्रदर्शन की झलक थी।

फ्रेंच ओपनः कोको गॉफ और इगा स्विटेक जीतीं, रिबाकिना के वॉक ओवर से सारा सोरिबेस चौथे दौर में

दिल्ली। अमेरिका की 19 साल की कोको गॉफ ने शनिवार को यहां फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम के तीसरे दौर के मैच में रूस की 16 साल की मीरा आंद्रीवा को पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया। पिछले साल रोलां गैरों की उप विजेता गॉफ ने 6-7, 6-1, 6-1 से जीत दर्ज की। इससे आंद्रीवा का ग्रैंडस्लैम में प्रभावशाली पदार्पण का सफर खत्म हुआ। यह पिछले हफ्ते 2005 के बाद फ्रेंच ओपन में महिलाओं के मुख्य ड्रा में मैच जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बनी थीं। वहीं, विश्व महिला

टेनिस में नंबर एक पोलैंड की इगा स्विटेक ने तीसरे दौर में शानदार जीत हासिल कर चौथे दौर के लिए प्रवेश पा लिया है। चीन की वांग जिन्यू पर 6-0, 6-0 की दमदार जीत के साथ स्विटेक ने अपने खिताब को बचाने की मुहीम में विपक्षियों को कड़ा संदेश दिया है। फ्रेंच ओपन की महिला एकल प्रतियोगिता में मायूसी का भी एक लम्हा देखने को मिला। जब मौजूदा विम्बलडन चैम्पियन और चौथी वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान की एलिना रिबाकिना ने खुद को प्रतियोगिता से हटा लिया।

दरअसल वह बीमार होने के कारण शनिवार को स्पेन की सारा सोरिबेस टोरमो के खिलाफ कोर्ट पर नहीं उतर सकीं। ऐसे में स्वास्थ्य मसलों को देखते हुए उन्होंने फ्रेंच ओपन से हटने का फैसला किया। रिबाकिना के हटने से सोरिबेस को वॉक ओवर मिल गया और वो अगले दौर में प्रवेश कर गईं।

नॉर्वे ग्रांड मास्टर शतरंज 2023-नाकामुरा से हारे गुकेश

ओस्लो, नॉर्वे। नॉर्वे ग्रांड मास्टर शतरंज में पहली बार खेल रहे भारत के 17 वर्षीय ग्रांड मास्टर डी गुकेश को दूसरे राउंड में यूएस के दिग्गज अनुभवी खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा से हार का सामना करना पड़ा है। पहले राउंड में गुकेश ने विश्व नंबर 2 अलीरेजा फिरोजा को मात देकर शानदार शुरुआत की थी। नाकामुरा से सफेद मोहरों से खेल रहे गुकेश क्यूजीडी ओपनिंग में एक रोमांचक मुकाबला खेला और एक समय खेल की 48वीं चाल में गुकेश ऊंट की एक बेहतर चाल नहीं खोज पाये और उसके बाद ऊंट और घोड़े के एंडगेम में उन्हें 71 चालों में हार का सामना करना पड़ा। दूसरे दिन के अन्य परिणामों में उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तारोव नोदिरबेक ने मेजबान नॉर्वे के आर्यन तारी को, तो फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने अजरबैजान के शाखियार ममेद्यारोव को सीधे मुकाबले में पराजित करते हुए 3 अंक अर्जित किए वहीं नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने यूएसए के वेसली सो को, यूएसए के फेबियानों करूआना ने नीदरलैंड के अनीश गिरि को क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहने के बाद टाईब्रेक में मात देते हुए 1.5 अंक अर्जित किए। फिलहाल दो राउंड के बाद यूएसए के फेबियानों करूआना 4.5 अंकों के साथ पहले स्थान पर चल रहे है।

डेविड वार्नर ने किया खुलासा, पाकिस्तान के खिलाफ सिडनी में खेलेंगे अंतिम मैच

बेकेनहैम (ब्रिटेन)। ऑस्ट्रेलिया के स्टार सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने शनिवार को खुलासा किया कि वह जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ अपने घरेलू मैदान सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर अपने टेस्ट करियर का समापन करना चाहते हैं।

भारत के खिलाफ अगले सप्ताह होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की तैयारियों में लगे वॉर्नर ने अभ्यास सत्र से पहले बातचीत करते हुए उम्मीद जताई कि पाकिस्तान के खिलाफ सिडनी टेस्ट उनका अंतिम टेस्ट मैच होगा।

यह सलामी बल्लेबाज हालांकि हाल में लंबे प्रारूप में रन बनाने के लिए जूझता रहा है और उनकी टेस्ट टीम में जगह पक्की नहीं है। वॉर्नर ने कहा, 'टीम में बने रहने के लिए आपको रन बनाने होंगे। मैं शुरू से कहता रहा हूं कि (2024) टी20 विश्व कप शायद मेरा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आखिरी मैच होगा।' उन्होंने कहा, 'अगर मैं यहां रन बनाता हूं और ऑस्ट्रेलिया में भी खेलना जारी रखता हूं तो मैं निश्चित तौर पर कर सकता हूं कि मैं वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला में नहीं खेलूंगा। अगर मैं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और एशेज में रन बनाता हूं तथा पाकिस्तान श्रृंखला के लिए टीम में चुना जाता हूं तो मैं निश्चित तौर पर वहां अपने करियर का अंत करना चाहूंगा।'

ऑस्ट्रेलिया को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलनी है। ऑस्ट्रेलिया इस साल के अंत में पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगा जिसका आखिरी मैच तीन जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा।

फ्रेंच ओपनः चौथे दौर में पहुंचे रूड, रूने और एचेवेरी, निशियोका को जीत के लिए बहाना पड़ा पसीना

पेरिस। पिछले साल फ्रेंच ओपन फाइनल में पहुंचने वाले नॉर्वे के कैस्पर रूड ने फ्रेंच ओपन पुरुष एकल के तीसरे दौर में झांग झिजेन को हराकर चीन के इस खिलाड़ी की शानदार लय तोड़ दी। चौथे वरीय रूड ने झांग झिजेन को 4-6, 6-4, 6-1, 6-4 से शिकस्त दी।

वहीं, छठी वरीयता वाले डेनमार्क के टेनिस खिलाड़ी होल्गर रूने ने अर्जेन्टीना के जेनैरो अल्बर्टो ओलिवियरी को सीधे सेटों में मात देकर चौथे दौर में प्रवेश किया। रूने ने ओलिवियरी को 6-4, 6-1 और 6-3 से पटखनी दी। जबकि अर्जेन्टीना के एक अन्य टेनिस प्लेयर टॉमस मार्टिन एचेवेरी ने क्रोएशिया के 15वें वरीय बोर्ना कोरिक को तीन सीधे सेट में परास्त कर आगे बढ़ गए। एचेवेरी ने जहां पहला सेट

6-3 के अंतर से आसानी से जीता, वहीं दूसरे सेच को जीतने के लिए उन्हें खासी मशक्कत करनी पड़ी। दूसरे सेट में क्रोएशियाई खिलाड़ी के जुझारूपन ने एचेवेरी को थोड़ा परेशान किया और उनकी सर्विस भी तोड़ी। हालांकि आखिर में एचेवेरी ने 7(7)-6(5) से सेट अपने नाम किया। इसके बाद तीसरे सेट को अर्जेन्टीना के खिलाड़ी ने एक बार फिर आसानी से 6-2 से जीत लिया। एक अन्य मुकाबले में जापान के योशिहितो निशियोका ने ब्राजील के थियागो सेबोथ वाइल्ड को हराकर चौथे दौर का रास्ता बनाया। वर्ल्ड टेनिस में 27वें स्थान पर काबिज निशियोका ने पांच सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में थियागो वाइल्ड को हराकर प्रतियोगिता से बाहर किया। निशियोका ने थियागो को 3-6, 7-6, 2-6, 6-4 और 6-0 से परास्त किया। इससे पहले थियागो ने फ्रेंच ओपन 2023 के पहले दौर में दूसरे वरीयता वाले मेदवेदेव को हराकर सुर्खियां बटोरी थी।

किशोर कुमार और कमाली मूर्ति ने जीता इंडियन ओपन ऑफ़ सर्फिंग 2023 का खिताब

मैंगलोर। इंडियन ओपन ऑफ़ सर्फिंग के चौथे संस्करण के आज आख़िरी दिन, तमिलनाडु के युवा प्रतिभावान सर्फ़र, किशोर कुमार और कमाली मूर्ती ने क्रमशः पुरुषों और महिलाओं की ग्रोम्स और ओपन श्रेणियों के ख़िताब अपने नाम किए।

भारत की यह तीन दिवसीय प्रमुख सर्फिंग प्रतियोगिता, जिसकी मेजबानी मैंगलोर, कर्नाटक के ससिहित्लु बीच में मंत्रा सर्फ क्लब द्वारा की गई थी, सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की आधिकारिक राष्ट्रीय चैम्पियनशिप है जिसे अंतर्राष्ट्रीय सर्फिंग एसोसिएशन द्वारा भी मान्यता प्राप्त है। इस आयोजन को लगातार चौथी बार कर्नाटक पर्यटन से बड़ा समर्थन मिला है, जबकि साइकिल प्योर अगरबत्ती और जय हिंद ग्रुप पहली बार प्रिंसिपल पार्टनर के रूप में प्रतियोगिता में शामिल हुए हैं।

किशोर को ओपन श्रेणी में 50,000 रुपये के नक्द पुरस्कार के साथ श्रीकांत डी को 30,000 रुपये और सूर्या पी को 20,000 रुपये की नक्द राशि से नवाज़ा गया। कमाली को महिला ओपन श्रेणी में पहला स्थान हासिल करने के लिए 30,000 रुपये का चेक दिया गया, इसके बाद क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान के लिए शुगर को 20,000 रुपये और

सिंचाना को 10,000 रुपये का चेक दिया गया। ग्रोम्स बॉयज 16 और अंडर कैटेगरी में किशोर (20,000 रुपये); तयिन अरुण (15,000 रुपये) और हरीश पी (10,000 रुपये) को क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान के लिए नकद राशि मिली। ग्रोम्स गर्ल्स 16 और अंडर कैटेगरी में कमाली, तनिष्का और सान्वी को क्रमशः 20,000; 15,000 और 10,000 की नकद राशि प्रदान की गई। दिन की शुरुआत पुरुषों की ओपन सर्फ श्रेणी के सेमीफाइनल के साथ हुई, जिसमें तमिलनाडु के किशोर कुमार ने पानी पर शानदार प्रदर्शन किया, जिससे श्रेणी में 14.00 के उच्चतम स्कोर के साथ फाइनल में पहुंच गए और उनके गृह राज्य के सर्फर, श्रीकांत डी (11.66), सूर्या पी (11.0) और सतीश सरवनन (7.93) भी फाइनल में पहुँचे।

वहां से किशोर ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा क्योंकि पुरुषों की ओपन सर्फ श्रेणी का फाइनल देखना मजेदार अनुभव था था जहां युवा सर्फ़र किशोर ने अधिक अनुभवी सर्फर्स के खिलाफ प्रतिस्पर्धा की और फाइनल में 15.67 अंकों के साथ चैंपियन के रूप में उभरे, जबकि उपविजेता श्रीकांत डी ने 12.90 अर्जित किए। सूर्य पी (9.14) अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। सर्फिंग ग्रोम्स 16 और अंडर बॉयज वर्ग में 15.07 अंकों के साथ किशोर कुमार पिछले संस्करण का खिताब बरकरार रखने में सफल रहे। तमिलनाडु के तैयिन अरुण और हरीश पी क्रमशः कुल 8.97 और 6.27 अंकों के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे

सर्फिंग महिलाओं की ओपन प्रतियोगिता में तमिलनाडु की 14 वर्षीय कमाली मूर्ति ने गोवा की सर्फर और डिफेंडिंग चैंपियन शुगर शांति बनारसे से खिताब छीना। कमाली जिन्होंने शुरू में सर्फिंग ग्रोम्स 16 और अंडर गर्ल्स वर्ग के लिए पंजीकरण कराया था, उन्होंने अपने बहादुर होने का परिचय देते हुए महिलाओं की ओपन श्रेणी में भी प्रतिस्पर्धा करने की ठानी।

शुरुआत से ही कमाली ने अपने कौशल और सर्फिंग से सभी को प्रभावित किया हुआ था। उन्होंने कुल 12.07 अंक हासिल किए जबकि उपविजेता शुगर बनारसे ने 10.40 अंक अर्जित किए। इस श्रेणी में कर्नाटक की एकमात्र उम्मीद सिनचना गौड़ा 5.93 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

कमाली मूर्ति ने सर्फिंग ग्रोम्स 16 और अंडर गर्ल्स वर्ग में भी खिताब हासिल किया। कमाली ने कुल 16.84 अंक अर्जित किए, जो टूर्नामेंट का अब तक का सर्वाधिक स्कोर है। एक्वाटिक इंडिका सर्फ स्कूल, मैंगलोर की स्थानीय लड़की तनिष्का मेंडन कुल 06.43 अंकों के साथ उपविजेता रहीं। एक अन्य मंगलोरियन सर्फर सान्वी हेगड़े कुल 6.0 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, पांच महीने की मेहनत रंग लाई : नामदेव

वाराणसी। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की योगासन प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल विजेता सावित्रीबाई फूले पुणे विश्वविद्यालय की टीम के कोच नामदेव अपनी टीम के शानदार प्रदर्शन से प्रसन्न हैं।

आईआईटी बीएचयू के रमेश श्रीनिवासन इनडोर हाल में आयोजित प्रतियोगिता में टीम के गोल्ड मेडल जीतने पर उत्साहित नामदेव ने कहा कि लगातार छह महीने के अथक प्रयास से आज यह स्वर्णिम पल प्राप्त हुआ। पत्रकारों से बातचीत के दौरान नामदेव ने कहा कि पिछले छह महीने से हम अपनी कमियों और कमजोरियों को दूर करने का प्रयास कर रहे थे। जिसमें हम काफी हद तक सफल रहे, हालांकि यहां मुकाबला बहुत

कठिन था। सारी टीमें अच्छा कर रही थीं। फाइनल में एक-एक प्वाइंट के लिए संघर्ष करना पड़ा। बड़े मुकाबले में हमारे खिलाड़ी अनुशासित रहे और गलतियां कम की और इसका नतीजा ये रहा कि हमारी टीम अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रही।

उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में खिलाड़ियों को जो सुविधाएं मिलीं हैं यदि ऐसी सुविधाएं आगे भी मिलती हैं तो न केवल खिलाड़ियों का प्रदर्शन सुधरेगा, बल्कि युवाओं का खेलों की ओर रुझान भी बढ़ेगा। विजेता टीम का हिस्सा रहे दीपांशु, सिद्धार्थ और कुणाल ने कहा कि हम छह महीने से लगातार प्रैक्टिस कर रहे थे और हमने कठिन आसनों पर अभ्यास किया, जिसका नतीजा है कि हम स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे।

कई बीमारियों की रामबाण दवा है साइकिल चलाना : आनंद पांडेय

लखनऊ। साइकिल चलाने वाले लोग ज्यादा स्वस्थ होते हैं और उनमें कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों का जोखिम भी कम होता है। सभी उम्र के लोगों को नियमित रूप से व्यायाम करने की सलाह दी जाती है। इसमें साइकिलिंग भी एक बेहतर अभ्यास हो सकता है। यह संदेश पेडल यात्री साइकिलिंग एसोसिएशन (पीसीए) के तत्वावधान में विश्व साइकिलिंग दिवस के अवसर पर आयोजित साइकिल रैली में हिस्सा लेने वाले लोगों ने दिया। इसमें पीसीए के महासचिव आनन्द किशोर पांडेय ने कहा कि साइकिल चलाना कई बीमारियों की रामबाण दवा है।

इस रैली की शुरुआत 1090 चौराहे से सुबह पांच बजे हुई जिसमें शामिल लगभग 25 साइकिलिस्टों ने बेहतर स्वास्थ्य,

फिटनेस, इम्यूनिटी और पर्यावरण संरक्षण हेतु साइकिलिंग अपनाने के प्रति जन-जागरूकता लाने के लिए शपथ ली। यहां से सभी प्रतिभागी जी-20 रोड होते से अर्जुनगंज होते हुए सोमनाथ द्वार होते हुए 25 किमी. की दूरी तय करते हुए केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर पहुंचे जहां इस रैली का समापन हुआ। इस अवसर पर पीसीए के महासचिव आनन्द किशोर पांडेय ने कहा कि हम सबको व्यक्तिगत स्वास्थ्य के साथ ही प्रकृति के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए इसके लिए ज्यादा से ज्यादा नॉन मोटराइज्ड वेहिकल व साइकिल का इस्तेमाल दैनिक जीवन में करना चाहिए। उन्होंने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने और लखनऊ शहर में साइकिलिंग को सुरक्षित बनाने की अपील भी इस रैली के माध्यम से की। पीसीए के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम कराये जाते रहेंगे। इस अवसर पर रिटायर्ड ब्रिगेडियर परितोष शाह, डॉ सुदीप (एसजीपीजीआई), अरुण मौर्य, संजय अग्रवाल, मनोज सिंह, प्रदीप सिंह, प्रतिमा अवस्थी, साद जमन, आशीष मुखर्जी, कुशान सिन्हा, प्रतिष्ठा महेश्वरी, शिखर खन्ना, अभिषेक सिंह, सुयश कपूर आदि उपस्थित रहे।

केआईयूजी योगासनः सावित्रीबाई फुले विवि को मिली स्वर्णिम कामयाबी

वाराणसी। बेहद नजदीकी और रोमांचक मुकाबले में राष्ट्रसंत तुकादोजी महाराज नागपुर यूनिवर्सिटी को महज 0.23 अंकों के अंतर से पराजित कर सावित्रि बाई फुले विश्वविद्यालय पुणे ने यहां खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में योगासन स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय पुणे की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 399.50 अंक अर्जित किए। जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रसंत तुकादोजी महाराज नागपुर यूनिवर्सिटी को 399.27 अंक प्राप्त हुए। उसे रजत पदक से संतोष करना पड़ा। गुरु जंबेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलाजी की टीम 398.91 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रही। उसे कांस्य पदक हासिल हुआ।

खेलो इंडिया की पहल पर आईआईटी बीएचयू के रमेश श्रीनिवासन स्टूडेंट एक्टीविटी सेंटर में शनिवार की दोपहर संपन्न पुरुष योगासन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता सावित्रि बाई फुले विश्वविद्यालय पुणे की टीम में कुणाल विठ्ठल, विष्णु चक्रवर्ती एस, दीपांशु सोलंकी, सिद्धार्थ मधुकर दावड़े, वैष्णव संजय कार्डे और नीतिन तानाजी पावले शामिल रहे। इन खिलाड़ियों के उम्दा प्रदर्शन की बदौलत पुणे की टीम को स्वर्णिम कामयाबी हाथ लगी। रजत पदक विजेता राष्ट्रसंत तुकादोजी महाराज नागपुर यूनिवर्सिटी की टीम में रामानंद देवाजी राउत, ओम दिनेश रखाड़े, प्रणय कांगले, हर्षल विलास, वैभव बालचंद्रा देशमुख और वैभव वमन श्रीरामे शामिल रहे। वहीं कांस्य पदक विजेता गुरु जंबेश्वर यूनिवर्सिटी आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी हिसार की टीम में राम गोस्वामी, अमित, मोहित, मुकेश, चेतन शर्मा और प्रवीण कुमार पाठक शामिल रहे। भारतीय खेल प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश खेल विभाग के सहयोग से नेशनल योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन की देखरेख में शनिवार को संपन्न खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की पुरुषों की योगासन प्रतियोगिता में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय की टीम को चौथा स्थान हासिल हुआ। इस टीम ने 398.57 अंक हासिल किए। वहीं 394.81 अंकों के साथ पंजाब विश्वविद्यालय की टीम पांचवें स्थान पर रही। शिवाजी विश्वविद्यालय को छठा स्थान प्राप्त हुआ। उसके खाते में 394.14 अंक रहे। वहीं गुरुग्राम विवि की टीम 387.29, पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला की टीम 383.49 और कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी की टीम 358.49 अंकों के साथ क्रमशः सातवें, आठवें और नौवें स्थान रही।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 05 जून 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

न्यूज फ्लैश

मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किया गया जन संवाद कार्यक्रम लोकप्रिय-

चण्डीगढ : हरियाणा के स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने कहा कि भाजपा सरकार ने अनुसूचित जाति वर्ग के जन कल्याण के लिए अनेक जन कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया हुआ है जिनका अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को अत्याधिक लाभ पहुंच रहा है। स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल यमुनानगर के गांव आहलूवाला में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को सबसे ज्यादा मान सम्मान दे रही है। इसके अलावा गांव में प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्य करवाए जा रहे हैं जिससे आज गांवों की कायाकल्प हो रही है और शहरों के समान मूलभूत सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल विकास की राजनीति करती है और विकास को आधार मानकर राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गो व सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। इसके अलावा रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत किया जा रहा है। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं में बढौतरी करने के लिए मेडिकल कॉलेज बनाने एवं अस्पतालों को अपग्रेड करने का कार्य किया है ताकि नागरिकों को उनके नजदीक ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें। सरकार ने अप्रैल माह से बुढ़ापा पेंशन बढ़ाकर 2750 रूपए प्रति माह कर दी है जो कि पूरे देश में सर्वाधिक है। इसके अलावा मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किया गया जन संवाद कार्यक्रम लोगों में बहुत ही लोकप्रिय हो रहा है और इससे लोगों को रूबरू होने के अलावा समस्याओं को रखने का मौका मिल रहा है।

देश में आज विकास लोगों की चौखट तक पहुंच रहा है: सहस्त्रबुद्धे

राजगढ़। आज का भारत विरासत के साथ विकास करने वाला देश है? आज भारत के विकास में गति के शक्ति भी है, बीते नौ वर्षों में भारत गरीब एवं वंछितों की सेवा करने वाला देश बना है। देश में आज विकास लोगों के दरवाजे की चौखट तक पहुंच रहा है। यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र की भाजपा सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे ने रविवार को राजगढ़ स्थित संस्कृति होटल में आयोजित प्रेस वार्ता एवं संवाद कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना, आवास, लाड़ली बहना योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ आमजन को मिल रहा है। राजगढ़ जिले में ही आज हम अभूतपूर्व विकास देख रहे हैं, जिले में डेम, सड़कों का जाल बिछ गया है साथ ही सिंचाई का रकबा रिकार्ड मात्रा में बड़ा है। भारत के विकास में आज गति, शक्ति, सुरक्षा के साथ संयम भी है।बीते 9 वर्षों में भारत गरीबों एवं वंछितों की सेवा करने वाला,नारीशक्ति को संबल देने वाला और युवाओं के सपनों को पूरा करने वाला देश बना है। सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि पहले योजनाएं कागजों की धूल फांकती रहती थी आज एक ही कार्यकाल में योजनाएं बनती भी है और जमीन पर उतरती भी है, शिलान्यास और उद्घाटन दोनों एक ही कार्यकाल में होता है। उन्होंने कहा कि बीते 9 सालों में भारत ने गुलामी की बेड़ियां तोड़ी है, राजपथ अब कर्तव्य पथ है,रेसकोर्स रोड़ अब लोक कल्याण मार्ग है और प्रधानमंत्री, प्रधानसेवक के रुप में जनता की सेवा कर रहे है। उन्होंने कहा कि हम जनता के प्रति जवाबदेही को मानते हैं, जनता ही हमारे लिए सर्वोपरी है।पिछले 9 सालों में विकास को अनुभव का विषय बनाया है।

'बालेश्वर ट्रेन दुर्घटना में हमने कई लोगों को खोया'

जो लोग घायल हुए हैं उन सभी के परिवारों के प्रति मैं अपने और भारत सरकार की ओर से संवेदना व्यक्त करता हूं: अमित शाह

दुख व्यक्त किया

बालेश्वर में तीन ट्रेन दुर्घटनाओं में अबतक 275 लोगों की मौत हो गई, जबकि 1100 से ज्यादा घायल हो गए

टीम एक्शन इंडिया/कोच्चि

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को ओडिशा के बालेश्वर जिले में हुई ट्रेन दुर्घटना पर दुख जताते हुए कहा कि ट्रेन दुर्घटना में हमने कई लोगों को खोया है। उस दुर्घटना में जिन लोगों की जान गई है और जो लोग घायल हुए हैं उन सभी के परिवारों के प्रति मैं अपने और भारत सरकार की ओर से संवेदना व्यक्त करता हूं।

रेल हादसे में कितने लोगों ने गंवाई जानः गौरतलब है कि बालेश्वर में तीन ट्रेन दुर्घटनाओं में अबतक 275 लोगों की मौत हो गई, जबकि 1100 से ज्यादा घायल हो गए। रेल मंत्रालय के मुताबिक, मरम्मत का काम युद्धस्तर पर चल रहा है और अधिकारी दुर्घटनास्थल पर बहाली प्रक्रिया की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। इस बीच, अमृता अस्पताल की सिल्वर जुबली के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा, धर्म, परंपरा, संस्कृति और सेवा के चारों क्षेत्र में अम्मा ने दशकों में जो योगदान किया है, उसकी बदौलत न सिर्फ भारत, बल्कि समस्त विश्व में हमारी सनातन संस्कृति को यश दिलाया है। उन्होंने अम्मा ने हमारी संस्कृति को एक नया आयाम और परिचय देने का काम किया है। अमित शाह ने कहा कि सेवा के क्षेत्र में अमृता अस्पताल ने अपने स्वर्णिम 25 साल पूरे किए हैं। 1998 से 2023 तक की यात्रा में 20 लाख से ज्यादा मरीजों का पूर्णतः मुफ्त इलाज किया गया। करोड़ों लोगों ने पैसा देकर अपना इलाज कराया है, परंतु 20 लाख गरीबों का मुफ्त इलाज कर उन्हें नया जीवन देने का काम किया है।

पीएम मोदी ने फोन पर मरम्मत कार्य का लिया जायजा

रेल मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बालासोर ट्रिपल ट्रेन दुर्घटना स्थल पर बहाली कार्य की प्रगति का जायजा लेने के लिए फोन किया। वैष्णव दुर्घटनास्थल पर मौजूद हैं और बहाली कार्य का जायजा ले रहे हैं। इससे पहले आज वैष्णव ने कहा था कि ओडिशा के बालासोर में बहाली का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है।

ओडिशा ट्रेन हादसे का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

ओडिशा के बालासोर जिले में हुए ट्रेन हादसे की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज की अध्यक्षता में जांच आयोग गठित करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग को लेकर एक जनहित याचिका शीर्ष अदालत में दायर की गई है। जनहित याचिका में कवच नामक स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए दिशानिर्देश/निर्देश भी मांगे गए हैं। इस याचिका को अधिवक्ता विशाल तिवारी ने दायर की है।

दो महीने में अपनी जांच पूरी करे जांच आयोगः याचिका में कहा गया है कि शीर्ष अदालत के एक रिटायर्ड जज की अध्यक्षता वाले जांच आयोग को दो महीने में अपनी जांच पूरी कर दुर्घटना के मूल कारण की जांच करने की कोशिश करनी चाहिए और सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपनी रिपोर्ट देनी चाहिए। तिवारी ने अपनी याचिका में कहा है कि वह रेलवे दुर्घटना सुरक्षात्मक उपायों को लागू करने और भविष्य में दुर्घटनाओं से बचने के लिए ऐसे उपायों को मजबूत करने और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की रक्षा के लिए सरकार से विशेष दिशा-निर्देश मांग रहे हैं। पिछले तीन दशकों में देश में हुई रेल दुर्घटनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने इस तरह के टकरावों और दुर्घटनाओं के खिलाफ सुरक्षा प्रवर्तन तंत्र विकसित करने में धीमी गति से काम किया है

विपक्ष के ध्रुवीकरण में लालू संभालेंगे कमान!

टीम एक्शन इंडिया/पटना

देश की नरेंद्र मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने के दावे के साथ तैयार होने का प्रयास कर रही विपक्षी एकता का नेता कौन होगा? पिछले दिनों जातियों के एक नेता ने यह कह दिया कि 12 जून को पटना में विपक्षी नेताओं की बैठक में तय हो जाएगा कि नीतीश कुमार नेतृत्व करेंगे। लेकिन, जानकारी यह भी आ रही है कि कांग्रेस अब भी इसके लिए फ्रंट पर नहीं है। मतलब, कांग्रेस को छोड़ बाकी विपक्षी दल इस बैठक में आगे-आगे रहेंगे। राहुल गांधी या मल्लिकार्जुन खरगे इस बैठक में नहीं आ रहे और सिर्फ बिहार स्तर के नेता रहे तो कांग्रेस की भागीदारी संशय में रहेगी। ऐसे में एक नई संभावना दिखाई देने लगी है। यह संभावना इसलिए भी मजबूत हो रही क्योंकि विपक्षी एकता के लिए प्रयास कर रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से ज्यादा कांग्रेस में पूर्व रेल मंत्री रहे और

दावेदारी

12 जून को पटना में विपक्षी नेताओं की बैठक में तय हो जाएगा कि नीतीश कुमार नेतृत्व करेंगे

राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की स्वीकारता है। 12 जून को होने वाली बैठक से पहले लालू जिस तेजी से एक्टिव हुए हैं और फिट नजर आ रहे हैं, से संभावना बन रही है कि विपक्ष के ध्रुवीकरण में नीतीश की जगह वही कमान संभालेंगे। कमान का मतलब, किंग मेकर का रूप लिए नजर आ सकते हैं लालू प्रसाद। लालू पहले भी ऐसी भूमिका निभा चुके हैं।

1998 में कांग्रेस ने लालू यादव से हाथ मिला लियाः महागठबंधन में तालमेल बनाए रखने के लिए लालू प्रसाद अहम कड़ी हैं, यह बात नीतीश कुमार अच्छी तरह जानते हैं।

संत कबीर कुटीर निवासी हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने संत कबीरदास जी की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और प्रदेशवासियों को संत कबीरदास जयंती की शुभकामनाएं दी।

रेल हादसा: सांप्रदायिक पोस्ट करने पर होगी कड़ी कार्रवाई

टीम एक्शन इंडिया/ओडिशा

ओडिशा के बालासोर में शुक्रवार शाम तीन ट्रेनें दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। इस भयानक रेल हादसे में 261 लोगों की मौत हो चुकी है, वहीं, 900 से ज्यादा लोग घायल हैं। इस हादसे के बाद लोगों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मेस पर अपनी अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दी है। वहीं, कुछ लोग सोशल मीडिया पर इस हादसे को 'सांप्रदायिक रंग' देने की कोशिश में जुटे हैं। इस हादसे पर कई लोगों द्वारा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट भी साझा किए जा रहे हैं। इस रेल हादसे को लेकर किए जा रहे साप्रंदायिक और हिंसक पोस्ट पर लगाम लगाने के लिए ओडिशा पुलिस ने कमर कस ली है।

साप्रंदायिक पोस्ट करने वालों पर होगी कार्रवाईः ओडिशा पुलिस ने चेतावनी दी है कि उन लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी जो इस हादसे से जुड़ी साप्रंदायिक और हिंसक पोस्ट को सोशल मीडिया पर शेयर करेंगे। पुलिस ने लोगों से झूठे और दुर्भावनापूर्ण पोस्ट फैलाने से रोकने का आग्रह किया है। पुलिस ने आगे कहा कि ओडिशा में जीआरपी द्वारा दुर्घटना के कारणों और अन्य सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

पहलवानों के विरोध प्रदर्शन को मिल रहा अंतर्राष्ट्रीय समर्थन

टीम एक्शन इंडिया/मंगलुरु

केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार पहलवानों के मुद्दों को हल करने और नई दिल्ली में उनके विरोध को समाप्त करने की पूरी कोशिश कर रही है। उडुपी में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने दावा किया कि विरोध को अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिल रहा है क्योंकि यह केंद्र सरकार के खिलाफ है।

'...दृश्य देखकर ही कलेजा फटने लगता है'

टीम एक्शन इंडिया/पटना

बिहार के उप मुख्यमंत्री ने ओडिशा ट्रेन हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि यह बहुत बड़ी घटना है। इसमें बिहार के भी कई लोग घायल हुए हैं। यह अब तक का सबसे बड़ा हादसा है। तेजस्वी यादव ने हादसे में मृत लोगों के परिवारों के प्रति संवदेना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह हादसा लापरवाही का नतीजा है। उन्होंने कहा कि यह लापरवाही तो हुई है, जिस प्रकार के दृश्य सामने आए हैं, वह देखकर कलेजा फटने को आता है, जिस प्रकार से बच्चों से लेकर बुजुर्ग यात्रियों की मृत्यु हुई है।

ये कहीं न कहीं रेलवे द्वारा जो दावा किया जाता था कि सेफ्टी जो है, प्रायोरिटी है, लेकिन इतना बड़ा हादसा हो गया। इसके बाद भी अभी भी किसी पर जिम्मेवारी तय नहीं हुई है, इसका जिम्मेवार कौन है।

तापमान में गिरावट एमपी के 15 शहरों में पारा 40 डिग्री पार, यूपी में हीटवेव अलर्ट, दिल्ली में सुबह बरसा पानी

मौसम की मार: राजस्थान में आंधी-बारिश, 3 की मौत

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में रविवार सुबह हुई बारिश ने तापमान में राहत दी है। ठंडी हवाओं और बादल के चलते दिल्ली में न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, राजस्थान, हरियाणा और यूपी के कुछ इलाकों में भी बारिश हो सकती है। राजस्थान में शनिवार रात आए आंधी-तूफान के चलते 3 लोगों की जान चली गई। अजमेर में आंधी-बारिश से एक घर की दीवार ढह गई थी। दबने से मां और दो बेटों की मौत हो गई। मध्य प्रदेश में 15 शहरों में तापमान 40 डिग्री पार

चला गया। शाम को हुई बारिश से गर्मी से राहत मिली। यूपी में भी 10 शहरों में हीट वेव का अलर्ट जारी किया गया है। पटना शनिवार को देश की सबसे गर्म राजधानी रही। यहां पारा 42.7 डिग्री रिकार्ड हुआ। दूसरे नंबर पर 42.6 डिग्री के साथ चेन्नई और 42.2 डिग्री के साथ तीसरे नंबर पर रायपुर रहा।

गर्मी से राहत मिली

अजमेर में आंधी-बारिश से एक घर की दीवार ढह गई थी। दबने से मां और दो बेटों की मौत हो गई

राजस्थानः अगले 3 दिन आंधी-बारिश, फिर 45त होगा तापमानः राज्य में जोधपुर और उदयपुर के आसपास के इलाकों में बारिश हुई और ओले गिरे। राजधानी जयपुर, चित्तौड़गढ़, सवाई माधोपुर, राजसमंद और पाली में भी बरसात हुई। बीकानेर में ओलों की जबरदस्त बारिश के बाद जमीन सफेद चादर से ढकी नजर आई। राज्य के उत्तर-पश्चिम जिलों के अलावा दक्षिण-पूर्वी जिलों में भी कई जगह 82 किमी स्पीड से तेज अंधड़ आया और भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने अगले 3 दिन के लिए आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान उमस बढ़ेगी, कई शहरों में पारा 2 से 4 डिग्री तक बढ़ेगा। 6 जून के बाद कई शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर जा सकता है। अगले हफ्ते तक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कमजोर पड़ने से गर्मी भी बढ़ेगी।